राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 98 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,13 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पीएम मोदी के सलाहकार बने पूर्व आईएएस खरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मानव संसाधन और सूचना प्रसारण मंत्रालय में सचिव के तौर पर सेवाएं दे चुके अमित खरे को पीएम नरेंद्र मोदी का सलाहकार नियुक्त किया गया है। 1985 बैच के आईएएस अधिकारी अमित खरे 30 सितंबर को ही उच्च शिक्षा सचिव के पद से रिटायर हुए थे। मंगलवार को एक सरकारी आदेश में उनकी नियुक्ति की जानकारी दी गई है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अमित खरे को पीएम मोदी का सलाहकार बनाए जाने को मंजूरी दी है। वह पीएमओ में सलाहकार के तौर पर काम करेंगे।

कोविंद से आज मिलेगा कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलेगा और उन्हें लखीमपुर की घटना की विस्तार से जानकारी देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग करेगा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दो दिन पहले राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगते हुए कहा था कि लखीमपुर घटना अत्यंत निंदनीय है। सरकार दोषियों को बचा रही है इसलिए पार्टी का प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलना चाहता है जो लखीमपुर की घटना को लेकर उनसे बात कर उन्हें विस्तृत ज्ञापन सौंपेगा।

पांच माह के निचले स्तर पर पहुंची रिटेल महंगाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार और आम जनता के लिए त्योहारी सीजन से पहले एक अच्छी खबर है। सितंबर माह में रिटेल महंगाई दर गिरकर पांच माह में सबसे कम रह गई। अगस्त में 5.3प्रतिशत रही रिटेल महंगाई दर पिछले महीने 4.35प्रतिशत रह गई। यह जानकारी मंगलवार को सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों से प्राप्त हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान सब्जियों के दामों में 22प्रतिशत गिरावट आई है। सितंबर में खाने-पीने के सामान में महंगाई कम हुई है। अगस्त में 3.11प्रतिशत रहा फूड इन्फ्लेशन पिछले महीने 0.68प्रतिशत पर आ गया।

गुरमीत राम रहीम की सजा 18 तक टाली

पंचकूला, (एजेंसी)। बहुचर्चित रणजीत सिंह हत्याकांड मामले में पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में मंगलवार को डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की सजा के आदेश को 18 अक्टूबर तक टाल दी है। राम रहीम सहित 5 लोगों को हाल ही में 2002 में पूर्व डेरा प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या की साजिश का दोषी ठहराया गया था। मंगलवार को सजा पर सुनवाई के मद्देनजर पंचकूला तथा सिरसा में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी।

18 से पूरी क्षमता के साथ शुरू होगी घरेलू उड़ान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के मामलों में गिरावट के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 18 अक्टूबर से घरेलू उड़ानों को 100 फीसदी क्षमता के साथ संचालित करने की अनुमति दे दी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस संबध में एक निर्देश जारी कर दिया है। जिसमें कहा है कि 18 अक्टूबर से सभी घरेलू उड़ानें 100 फीसदी क्षमता के साथ संचालित की जाएंगी। अभी घरेलू उड़ानें 85 फीसदी क्षमता के साथ संचालित हो रही थीं।

भारत बायोटेक की वैक्सीन को केंद्र की मंजूरी के लिए एक्सपर्ट समिति ने की सिफारिश

2 से 18 साल के बच्चों को लगेगा टीका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 2 से 18 साल तक बच्चों के लिए जल्द भारत में एक और कोरोना वैक्सीन का रास्ता साफ हो गया है। भारत की सीडीएससीओ यानी सेंट्रल ड्रग स्टैण्डर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने भारत बायोटेक की कोवैक्सिन को 2 से 18 साल के बच्चों को देने की सिफारिश की है। कमेटी ने कंपनी द्वारा 2 से 18 साल तक के बच्चों पर हुए क्लीनिकल ट्रायल की रिपोर्ट के आधार पर अपनी सिफारिश की है जिसमे इस वैक्सीन को बच्चों के लिए सेफ और इममुनोजेनिक पाया गया है।

भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन पहले से भारत मे दी जा रही है, लेकिन 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में। बच्चों में इसके ट्रायल नहीं हुए थे, इसलिए मई

के महीने में बच्चों पर इसके क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मांगी गई थी। अनुमति मिलने के बाद पूरे देश मे बच्चों पर इस वैक्सीन का ट्रायल किया गया था। इस ट्रायल में देखा गया कि क्या वैक्सीन सेफ और इममुनोजेनिक है, क्या ये कारगर होगी।

क्लीनिकल ट्रायल के नतीजे सीडीएससीओ को भेजे गए

ट्रायल में बच्चों को तीन ग्रुप में बांटा गया है। पहला ग्रुप है 12 से 18 साल। इसके बाद 6 से 12 साल के उम्र के बच्चे और फिर 2 से 6 साल के उम्र के बच्चों को वैक्सीन ट्रायल में शामिल किया गया। बच्चों के ट्रायल भी वैसा ही हुआ जैसे बड़ों का हुआ है। पहली डोज और दूसरी डोज के बीच 28 दिनों का अंतर रखा गया। बच्चों को भी 6एमजी की डोज दी गई। ट्रायल में वैक्सीन लगने के बाद इन्हें भी लगातार मॉनिटर किया गया था। बच्चों में क्लीनिकल ट्रायल के नतीजे की रिपोर्ट सेंट्रल ड्रग स्टैण्डर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन के पास दे दी गई, जिस पर सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी जिसमें कई एक्सपर्ट शामिल थे। रिपोर्ट से संतुष्ट होने पर सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने इसे मंजूरी देने की सिफारिश की है, जिस पर अंतिम फैसला डीसीजीआई को लेना है।

भारत बायोटेक ने दी प्रतिक्रिया

सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी के फैसले के बाद भारत बायोटेक की प्रतिक्रिया भी आई है, जिसमें कंपनी ने कहा है कि भारत बायोटेक ने सीडीएससीओ को कोवैक्सीन (बीबीवी152) के लिए 2-18 वर्ष आयु वर्ग में क्लीनिकल ट्रायल डेटा प्रस्तुत किया है। सीडीएससीओ और सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी (एसईसी) द्वारा डेटा की गहन समीक्षा की गई है और अपनी सकारात्मक सिफारिशें प्रदान की हैं। यह 2-18 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकों के लिए दुनिया भर में पहली मंजूरी में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।

फर्टिलाइजर पर सब्सिडी के साथ 100 सैनिक स्कूलों को मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास पर हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मंत्रिमंडल ने फर्टिलाइजर पर सब्सिडी देने के फैसले पर मुहर लगा दी है। इस बैठक में कैबिनेट ने सैनिक स्कूल सोसाइटी के अंतर्गत 100 प्राइवेट और सरकारी सैनिक स्कूलों को मान्यता देने को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा कैबिनेट की ओर से अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन 2. 0 को भी मंजूरी मिल गई है।

मोदी कैबिनेट ने दिखाई हरी झंडी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को फॉस्फेट, पोटाश उर्वरकों (फर्टिलाइजर) के लिए 28,655 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी है। ये सब्सिडी 1 अक्टूबर 2021 से 31 मार्च 2022 तक लागू रहेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सैनिक स्कूल सोसाइटी के साथ सरकारी और निजी क्षेत्र के 100 विद्यालयों की संबद्धता को मंगलवार को मंजूरी दे दी, जिसका मकसद बच्चों में मूल्य आधारित शिक्षा, चरित्र के साथ प्रभावी नेतृत्व, अनुशासन आदि को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकारी बयान में कहा गया है कि ये विद्यालय विशिष्ट स्तंभ के रूप में कार्य करेंगे, जो रक्षा मंत्रालय के मौजूदा सैनिक स्कूलों से विशिष्ट और भिन्न होंगे। बयान के अनुसार, ''प्रथम चरण में 100 संबद्ध होने वाले भागीदारों को राज्यों/एनजीओ/निजी भागीदारों से लिया जाना प्रस्तावित है। (शेष पेज 4 पर)

सुप्रीम कोर्ट बोला, व्यक्ति की स्वतंत्रता अहम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि व्यक्ति की स्वतंत्रता अहम है और जमानत की अर्जी पर जितनी जल्दी मुमकिन हो सुनवाई की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी से पूर्व और गिरफ्तारी के बाद जमानत के लिए दायर आवेदन के लिए कोई सीमा तय नहीं की जा सकती है, लेकिन यह आशा की जा सकती है कि ऐसी अर्जियों पर जल्द से जल्द सुनवाई की जाए।

जमानत अर्जी पर जल्द होनी चाहिए सुनवाई

दरअसल, न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति एएस ओका की पीठ पंजाब के पटियाला जिले में दर्ज एक मामले के सिलसिले में आरोपी की याचिका की सुनवाई कर रहे थे।

पीठ ने उच्च न्यायालय को दिए निर्देश

पीठ ने हाईकोर्ट को कहा है कि याचिकाकर्ता की जमानत अर्जी पर यथासंभव जल्दी विचार किया जाए। पीठ ने कहा कि सत्र अदालत ने उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने सात जुलाई को जमानत के लिए उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ से कहा कि मामले को अदालत में कई बार सूचीबद्ध किया गया, लेकिन इस पर सुनवाई नहीं हो सकी।

पांच जवानों के बदले सुरक्षा बलों ने सात आतंकी मारे

कश्मीर में सेना ने शुरू किया संयुक्त ऑपरेशन

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में सेना ने आतंकियों की सफाई का काम शुरू कर दिया है। रविवार रात से पुलिस और सेना ने संयुक्त ऑपरेशन में सात आतंकियों को ढेर कर दिया है।

बीते रोज आतंकियों ने सेना के पांच जवानों को निशाना बनाया, उसे सेना ने अपने अंदाज में जवाब दिया है। ये ऑपरेशन उन हत्याओं के बाद शुरू किए गए हैं, जिनकी जिम्मेदारी द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ)ने ली थी। पिछले सप्ताह सात नागरिकों के मारे जाने के बाद से सुरक्षा बलों ने पूरे कश्मीर में कई अभियान शुरू कर दिए हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस का कहना है कि पिछले तीन दिनों में पांच एनकाउंटर में सात आतंकी मारे गए हैं। बीती रात एनकाउंटर में तीन आतंकी मारे गए। इनमें मारा गया एक आतंकी श्रीनगर में रेहड़ी-पटरी वाले की हत्या में शामिल था।

आतंक के खिलाफ एनआईए की देशभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आतंकियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। एनआईए ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर, यूपी और जम्मू के 18 जगहों पर छापेमारी की है। आतंकी संगठनों के ओवरग्राउंड नेटवर्क (ओजीएन) पर नकेल कसने के लिए मध्य कश्मीर में कई स्थानों को एनआईए ने निशाना बनाया है।

दिल्ली-यूपी और जम्मू के 18 जगहों पर मारे छापे

एनआईए ने दिल्ली और यूपी में छापा मारा है, इसके अलावा कश्मीर घाटी में 16 स्थानों पर छापेमारी की है। एनआईए को सूचना मिली है कि आतंकी दिल्ली-यूपी और आसपास के इलाकों में छुपे हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक इन आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद भी हो सकता है। घाटी में हाल ही में नागरिक हत्याओं के बाद आतंकवादियों के खिलाफ एनआईए ने कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर में गलबुग काकापोरा निवासी अब खालिक डार के बेटे ओवैस अहमद डार के घर पर छापेमारी की। एनआईए ने परिमपोरा, चट्टाबल, चनापोरा, सोलिना और चट्टाबल में आवासों की तलाशी ली।

आरएसएस सादगी से विजयदशमी मनाएगा, नहीं होगा कोई मेहमान

मोहन भागवत देंगे अहम भाषण

नागपुर, (एजेंसी)। इस बार विजयदशमी पर आरएसएस का स्थापना दिवस कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में होगा। इस बार आरएसएस इस कार्यक्रम को सादगी से मनाएगा। हर साल विजयदशमी पर आरएसएस नागपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित करती है, जिसमें कोई न कोई स्पेशल गेस्ट जरूर होता है, लेकिन इस बार कोरोना संक्रमण के मद्देनजर आरएसएस ने इस कार्यक्रम को सादगी से मनाने का निश्चय किया है, जिसमें कोई स्पेशल गेस्ट नहीं होगा। हालांकि मोहन भागवत आरएसएस के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल, फेसबुक और ट्विटर हैंडल पर लाइव स्ट्रीम होंगे। जिसमें वे लखीमपुर खीरी और किसान आंदोलन समेत देश के तमाम अहम मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं। विजयदशमी का त्योहार इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ महीनों में देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस साल विजयदशमी पर आरएसएस शस्त्र पूजा कार्यक्रम सादे अंदाज में मनाएगी। आगामी 15 अक्टूबर को विजयदशमी के दिन ही आरएसएस की स्थापना हुई थी।

चार उच्च न्यायालयों में 20 न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने चार उच्च न्यायालयों के लिए 20 न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति न सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की सिफारिश पर मंगलवार को केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के लिए आठ, मद्रास के लिए चार और गुवाहाटी के लिए आठ न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दी है। इनमें गुवाहाटी हाईकोर्ट में दो महिला न्यायिक अधिकारी तथा मद्रास हाईकोर्ट में एक महिला वकील को न्यायाधीश बनाया गया है। वकील चंद्र कुमार राय, कृष्णा पहल, समीर जैन, आशुतोष श्रीवास्तव, सुभाष विद्यार्थी, बृज राज सिंह, श्री प्रकाश सिंह और विकास बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार वकील सुंदरम श्रीमती, डी भारत चक्रवर्ती, आर विजयकुमार और मोहम्मद रफीक को मद्रास हाईकोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया है।वकील काखेतो सेमा, देवाशीष बरुआ एवं अरुण देव चौधरी और न्यायिक (महिला) अधिकारी मालाश्री नदी एवं मर्ली वांगकुंग गुवाहाटी हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। गुवाहाटी हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश सौमित्रा सैकिया, पार्थिव ज्योति सैकिया और एस हुकातो स्यू को इसी उच्च न्यायालय में पदोन्नत कर न्यायाधीश बनाया गया है।

फेसबुक, इंस्ट्राग्राम और वाट्सअप के बाद अब जीमेल हुआ डाउन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अभी हाल ही में फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की सर्विस डाउन हो गई थी। मंगलवार को जीमेल की सर्विस काम नहीं कर रही थी। इस दौरान भारत के कई हिस्सों में लोग गूगल की इस फ्री ईमेल सर्विस को एक्सेस नहीं कर पाए। जीमेल यूजर्स न तो मेल सेंड कर पाए न ही उन्हें कोई मेल मिल पाया। इंटरनेट सर्विस आउटेज पर नजर रखने वाली साइट डाउन डिटेक्टर के अनुसार 68 परसेंट लोगों ने रिपोर्ट किया है कि उन्हें वेबसाइट एक्सेस करने में दिक्कत आ रही है। 18 परसेंट यूजर्स ने सर्वर कनेक्शन को रिपोर्ट किया, जबकि 14 परसेंट यूजर्स को लॉगिन में दिक्कत आई। इसको लेकर लोगों ने ट्विटर पर भी रिपोर्ट की। कंपनी ने अभी तक आउटेज का कारण नहीं बताया है। भारत के कई हिस्सों से यूजर्स की जीमेल के डाउन रहने की शिकायत मिली।

अभी हाल ही में सोशल मीडिया जायंट फेसबुक भी आउटेज का शिकार बना था। फेसबुक के साथ वॉट्सएप और इंस्टाग्राम भी 6 घंटे से अधिक डाउन रहा था। पिछले हफ्ते में ये दो बार डाउन हो गया था। बाद में कंपनी ने बताया कि राउटर कॉन्फिग्रेशन में गड़बड़ी से ये आउटेज हुआ। इससे फेसबुक को काफी नुकसान भी पहुंचा था।

बिजली संकट: आपात समस्या से निपटने तीन मंत्रालयों ने बनाया क्राइसिस ग्रुप

कोयले से भरी मालगाड़ियां होंगी डायवर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोयला संकट के बीच केंद्र सरकार पूरी तरह से मुस्तैद हो गई है। एक तरफ जहां केंद्र सरकार कोयला आपूर्ति बढ़ाने में जुटी हुई है, वहीं दूसरी ओर सरकार इस हालात की लगातार समीक्षा भी कर रही है। सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह ने कोयला मंत्री प्रहलाद पटेल और ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के अलावा कोल इंडिया और एनटीपीसी के अफसरों के साथ बैठक की। पीएम मोदी ने मंगलवार को कोयला और बिजली मंत्री के साथ बैठक की। इससे पता चलता है कि ये मामला कितना गंभीर है और केंद्र कितना अलर्ट है।

जानकारी के अनुसार, देश में बढ़ते कोयला संकट से निपटने के लिए कोयला मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय ने मिलकर एक क्राइसिस ग्रुप बनाया है। इस ग्रुप में तीनों मंत्रालय के बड़े अफसरों के अलावा बड़ी बिजली कंपनियों के अधिकारी भी शामिल हैं। जो इस कोयला संकट पर चौबीस घंटे नजर बनाए हैं। ये ग्रुप कोयले की डिमांड को देखते हुए कोयले से लदी मालगाड़ियों को डायवर्ट भी करता है। देश के 135 बड़े थर्मल पावर प्लांट की सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी यानि सीइए यूनिट के तहत मॉनिटरिंग होती है। फिलहाल इनमें से करीब 120 प्लांट तक मालगाड़ियों से कोयला पहुंचता है। रेलवे को माल सप्लाई के लिए 750 रैक की जरूरत है, लेकिन उसके पास 100 रैक रिजर्व हैं।

केंद्र की राज्यों को हिदायत

कोयला संकट का फायदा उठाकर ऊंची कीमत पर बिजली न बेचना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में बिजली संकट के दावों के बीच ऊर्जा मंत्रालय ने सभी राज्यों को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने बढ़ती कीमतों का फायदा उठाने के इरादे से पावर एक्सचेंजों को बिजली बेची तो केंद्रीय उत्पादकों की ओर से मिलने वाली बिजली में कटौती की जाएगी। वैश्विक स्तर पर बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद, भारत में पिछले कई दिनों से कोयले की कमी के कारण कुछ पावर प्लांटों के बंद होने की खबरें हैं। इस बीच कुछ राज्य ऐसे हैं जो अपने उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने की बजाय कटौती कर रहे हैं और ऊंचे दामों पर पावर एक्सेंजों को बिजली बेच रहे हैं। ऐसा करने के लिए राज्य केंद्र की तरफ से मिल रही बिजली का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब ऊर्जा मंत्रालय ने कहा है कि अगर राज्य अपने उपभोक्ताओं को बिजली न देकर ऊंचे दामों पर पावर एक्सेंजों को बिजली दे रहे हैं तो ऐसे राज्यों को आवंटित की गई बिजली वापस लेकर जरूरतमंद राज्यों को दी जाएगी। फिलहाल केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित बिजली उत्पादकों में एनटीपीसी लिमिटेड और दामोदर वैली कॉर्प शामिल हैं। इन कंपनियों द्वारा उत्पादित 15 फीसदी बिजली केंद्र के नियंत्रण में है, जो राज्यों को बेची जाती है।

आयोजन | अफगानिस्तान पर हुई जी-20 की बैठक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले

कट्टरपंथ और आतंकवाद का जरिया न बने देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अफगानिस्तान पर जी-20 की बैठक में वर्चुअली हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया कि अफगानिस्तान का क्षेत्र कट्टरपंथ और आतंकवाद का जरिया न बने। उन्होंने कट्टरपंथ, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के गठजोड़ के खिलाफ संयुक्त लड़ाई का आह्वान किया। उन्होंने अफगानिस्तान में समावेशी प्रशासन का आह्वान किया, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों का भी प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने अफगानिस्तान पर एकीकृत प्रतिक्रिया के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया।

अफगानिस्तान संकट पर मंथन और मानवीय सहायता उपायों को लेकर बुलाई गई जी-20 देशों की आपात बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। पीएम ने इस वर्चुअल बैठक के मंच से कहा कि अफगानिस्तान के साथ भारत के सदियों पुराने संबंध रहे हैं। भारत ने 500 से अधिक सहायता परियोजनाएं अफगानिस्तान के लिए चलाई। पीएम मोदी ने कहा कि अफगानिस्तान के लोग भूख और कुपोषण का शिकार बन रहे हैं। ऐसे में वैश्विक समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगान लोगों को तत्काल और आवाज तौर पर मानवीय सहायता उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस बात पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि अफगानिस्तान दुनिया के लिए कट्टरपंथ और आतंकवाद का स्रोत ना बने। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कट्टरवाद आतंकवाद, नशीली दवाओं और अवैध हथियारों की तस्करी के बीच बने गठजोड़ को तोड़ने के लिए साझा लड़ाई मजबूत करने की जरूरत है।

बीते 20 सालों की प्रगति को सहेजने समावेशी प्रशासन बनाया जाए

प्रधानमंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान में बीते 20 सालों के दौरान हुई प्रगति को सहेजने के लिए यह जरूरी है कि एक समावेशी प्रशासन बनाया जाए, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों का भी प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2593 के प्रति जी 20 देशों को और अधिक सक्रिय तौर पर समर्थन जताने की जरूरत है। अफगानिस्तान मैं अपेक्षित बदलावों को लाने के लिए यह जरूरी है कि सभी मिलकर एक साथ प्रयास करें।

सीबीआई ने देशभर के 41 स्थानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी करने के मामले को लेकर केंद्रीय जाच ब्यूरो(सीबीआई) ने मंगलवार को देशभर के 41 स्थानों पर छापामार कार्रवाई की।

जम्मू- कश्मीर में 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी करने का मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच ब्यूरो ने मंगलवार को श्रीनगर, अनंतनाग, बनिहाल, बारामूला, जम्मू, डोडा, राजौरी, किश्तवाड़ (जम्मू और कश्मीर) लेह , दिल्ली और भिंड (मध्य प्रदेश) सहित लगभग 41 स्थानों पर छापामार कार्रवाई की है। इनमें कई तत्कालीन डीएम (आईएएस/केएएस) डीआईओ, क्लर्क आदि सहित तत्कालीन लोक सेवकों के परिसर, 05 निजी व्यक्ति (बिचौलिये/एजेंट) 10 गन हाउस/डीलर शस्त्र लाइसेंस रैकेट से जुड़े लोगों के ठिकाने शामिल हैं। तलाशी के दौरान, हथियार लाइसेंस जारी करने, लाभार्थियों की सूची, एफडीआर और अन्य बिक्री आय में निवेश से संबंधित दस्तावेज, संपत्ति के दस्तावेज, बैंक खाते का विवरण, लॉकर की चाबियां, आपत्तिजनक विवरण वाली डायरी, हथियार लाइसेंस रजिस्टर, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल फोन सहित आपत्तिजनक दस्तावेज और पुरानी करेंसी समेत कुछ नगदी भी बरामद हुई है।

सीबीआई ने जम्मू कश्मीर सरकार के अनुरोध और भारत सरकार की अधिसूचना पर दो मामले दर्ज किए थे और पुलिस स्टेशन सतर्कता संगठन कश्मीर (वीओके) में पहले दर्ज की गई दो एफआईआर संख्या 18, 17 मई 2018 की जांच अपने हाथ में ले ली थी। 2012 से 2016 की अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्य में हथियार लाइसेंसों को थोक में जारी करने के आरोपों पर एफआईआर दर्ज हुई थी।

पुलिस स्टेशन सतर्कता संगठन जम्मू (वीओजे) की एफआईआर संख्या 11 17 मई 2018 के अनुसार गैर हकदार व्यक्तियों को 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी किए गए। सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर के 22 जिलों में कथित रूप से फैले उक्त सशस्त्र लाइसेंस जारी करने से संबंधित दस्तावेज भी एकत्र किए।

सार समाचार

1500 साल पहले यहां बनायी जाती थी शराब, खोजते-खोजते मिल गये सुराग

यावने (इजराइल)। इजराइली पुरातत्वविदों ने सोमवार को बताया कि उन्होंने शराब बनाने के एक बड़े प्राचीन परिसर का पता लगाया है जहां करीब 1,500 साल पहले शराब बनायी जाती थी। उन्होंने बताया कि मध्य यावने शहर में इस परिसर में शराब बनाने के गोदामों को पता चला है। शराब का भंडार करने के लिए मिट्टी के बर्तन बनाने वाली भट्ठियों और हजारों टुकड़े तथा सुराहियां भी मिली हैं। इजराइल के पुरावशेष प्राधिकरण ने बताया कि यह खोज दिखाती है कि यावने बाइजेंटाइन साम्राज्य के दौरान शराब बनाने का बड़ा केंद्र हुआ करता था। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इस परिसर में एक साल में करीब 20 लाख लीटर शराब का उत्पादन होता होगा। खुदाई के अभियान से जुड़े जॉन सेलिगमन ने कहा कि इस इलाके में बनी शराब को ''गाजा'' शराब के नाम से जाना जाता था और इसका पूरे क्षेत्र में निर्यात किया जाता है। उन्होंने कहा, ''यह मशहूर शराब थी, सफेद रंग की शराब और इसे मिस्र, तुर्की, यूनान और संभवत- दक्षिण इटली समेत भूमध्यसागर के आसपास के कई देशों में भेजा जाता था।'' प्राधिकरण ने बताया कि तेल अवीव के दक्षिण में स्थित शहर यावने के विकास के तौर पर चल रही खुदाई के दौरान पिछले दो वर्षों में इस परिसर का पता चला।

2008 में जो बाइडेन की मदद करने वाले अफगान इंटरप्रेटर्र को अमेरिका ने अफगानिस्तान से बाहर निकाला

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से अमेरिका की मदद करने वाले अफगान लोग किसी भी तरह से देश छोड़ देना चाहते हैं। अफगान इंटरप्रेटर अमन खलीली जिसने 2008 में तत्कालीन सीनेट जो बाइडेन को अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में मदद की थी, वह अफगानिस्तान छोड़ने में कामयाब रहा है। 2008 में एक तूफान की वजह से बाइडेन सहित कई और अमेरिकी सांसदों को ले रहे सैन्य हेलीकाप्टर को एक बर्फीले घाटी में उतरना पड़ा था। ये ऐसा इलाका था जहां बाइडेन पर हमला किया जा सकता था। अमन खलीली को अब सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। अगस्त के महीने से ही खलीली वीजा के लिए मदद की अपील कर रहे थे। 11 अक्टूबर को अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने बीबीसी न्यूज को बताया है कि खलीली और उनके परिवार को सुरक्षित रूप से अफगानिस्तान से बाहर निकाला गया है। उन्होंने पहले अफगानिस्तान को छोड़ा और पाकिस्तान पहुंचे और फिर आगे की यात्रा की है। खलीली ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि मुझे जो बाइडेन पर भरोसा है। मुझे यकीन है कि वह सब कुछ कर सकते हैं। सितंबर महीने में खलीली की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने बताया था कि मेरे कई पसंदीदा लोगों को बर्फीले तूफान से बाहर निकालने और उनके द्वारा किए गए सभी कामों के लिए शुक्रिया कहा था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका अपने सहयोगियों को अफगानिस्तान से निकालने के लिए प्रतिबद्ध है।

इमरान के मंत्री ने महंगाई से निपटने के लिए दी 'अचूक सलाह', भड़क गए लोग

नई दिल्ली। पाकिस्तान सहित दुनियाभर के तमाम देशों में इस समय महंगाई चरम पर है। इस पर लगाम लगाने के लिए कई सरकारें उपायों पर भी ध्यान दे रही हैं। लेकिन पाकिस्तान की राग दुनिया भर से अलग है और इसमें वहां के नेताओं का जबरदस्त योगदान है। हाल ही में इमरान सरकार में एक मंत्री ने ऐसा बयान दिया कि लोग उनपर भड़क गए। उन्होंने लोगों को महंगाई से निपटने की अजीबोगरीब सलाह दे डाली, इसके बाद वे लोगों के निशाने पर आ गए। दरअसल, पाकिस्तान तहरीके इंसाफ के नेता और इमरान खान सरकार में 'पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान मामलों' के मंत्री अली अमीन गंडापुर ने महंगाई नियंत्रित करने के लिए लोगों को सलाह दी है। उन्होंने पाकिस्तान के लोगों को 'कम रोटी खाने और चाय में कम चीनी डालने' की सलाह दे डाली है। इतना ही नहीं इस दौरान अली अमीन गंडापुर ने लोगों को महंगाई से बचने के लिए कई अन्य सलाह भी दी है। जियो टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीओके में एक सभा को संबोधित करते हुए अली अमीन ने कहा कि अगर मैं चाय में चीनी के सौ दाने डालता हूं और नौ दाने कम डाल दूं, तो क्या वह कम मीठी हो जाएगी। क्या हम अपने देश के लिए, अपनी आत्मनिर्भरता के लिए इतनी सी कुर्बानी भी नहीं दे सकते। अगर मैं रोटी के सौ निवाले खाता हूं तो उसमे नौ निवाले कम नहीं कर सकता हूं। इसलिए इसका उपयोग कम किया जाना चाहिए।

चीन तूफान कोम्पासु से निपटने के लिए तैयार

बीजिंग। इस साल का 18वां टाइफून कोम्पासु, चीन के दक्षिणी हिस्सों में तेज हवाएं और बारिश के साथ आने को तैयार है। समाचार एजेंसी के हवाले से कहा गया है कि प्रांतीय मौसम विज्ञान प्रशासन के अनुसार कोम्पासु को दक्षिण चीन सागर के उत्तरपूर्वी हिस्से में मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे, वानिंग सिटी, हैनान प्रांत से लगभग 910 किमी पूर्व में देखा गया है, जिसके केंद्र में 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। यह द्वीप प्रांत की ओर लगभग 28 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ेगा। प्रांतीय बाढ़, हवा और सूखा नियंत्रण मुख्यालय ने

मंगलवार सुबह 9.30 बजे अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया को तीसरे स्तर में अपग्रेड कर दिया है। प्रांतीय मौसम विज्ञान प्राधिकरण ने कहा कि तूफान के वेनचांग सिटी से लिंगशुई ली ऑटोनॉमस काउंटी के तटीय क्षेत्रों में दोपहर से बुधवार की रात तक दस्तक देने की आशंका है। आंधी और ठंडी हवा दोनों से प्रभावित हैनान के साथ-साथ ग्वांगडोंग प्रांत के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश होगी। अब तक, हैनान की राजधानी हाइको में तीन बंदरगाहों ने परिचालन को निलंबित कर दिया है। मछली पकड़ने वाली नौकाओं को बंदरगाह पर लौटने को कहा गया है और बाहरी गतिविधियों को रोक दिया गया है। प्रांतीय आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने कहा कि तूफान हैनान कृषि पर गंभीर प्रभाव डालेगा।

यह सुनिश्चित हो कि तालिबान की कार्रवाई की सजा आम अफगानी न भुगते : गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को अफगानिस्तान के लिए सहायता की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे तालिबान की कार्रवाईयों के लिए अफगान लोगों सामूहिक दंड ना भुगतना पड़े।

उन्होंने कहा कि तालिबान शासन की मान्यता, देश की फ्रीज संपत्ति और शासन को कई मुद्दों पर अपनी बात रखने जैसे सवालों की परवाह किए बिना, देश को बर्बाद होने से बचाने के लिए अर्थव्यवस्था में नकदी डालना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, हमें अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करने, बुनियादी नियमों का सम्मान करने के तरीके खोजने की जरूरत है, जैसा कि मैंने कहा, हमें अर्थव्यवस्था में तरलता को डालने के तरीके खोजने की जरूरत है ताकि अर्थव्यवस्था ढहने से बच जाए और लोगों को नुकसान न हो।

साथ ही, गुटेरेस ने इस बात पर जोर दिया कि तालिबान को मानवाधिकारों पर अपनी बात रखनी चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बात पर जोर देना चाहिए कि महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों का विशेष रूप से सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा, स्पष्ट रूप से, रसातल से वापस आने का रास्ता खोजने की मुख्य जिम्मेदारी उन लोगों की है जो अब अफगानिस्तान में प्रभारी हैं।

उन्होंने कहा, मैं तालिबान से महिलाओं और लड़कियों से अपने वादे निभाने और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार और मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की दृढ़ता से अपील करता हूं। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदायों को तालिबान को पैसा देना चाहिए। हमें अर्थव्यवस्था में नकदी डालने की जरूरत है, हमें अर्थव्यवस्था को सांस लेने देने की जरूरत है, हमें लोगों को जीवित रखने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि तालिबान को दरकिनार करने और गैर सरकारी संगठनों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के माध्यम से अफगान अर्थव्यवस्था के अंदर नकदी डालने के तरीके हैं और लोगों को सीधे सहायता प्राप्त करने दें। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद में शामिल होने के कारण तालिबान स्वयं सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के अधीन है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की फ्रीज संपत्ति को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की तरह एक ट्रस्ट फंड में रखा जा सकता है ताकि अफगान लोगों को नकदी तक पहुंच प्राप्त हो सके। उन्होंने स्वीकार किया कि मान्यता जैसे मुद्दे, फ्रीज धन को जारी करना और मानवाधिकारों को सुनिश्चित करना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जटिल प्रक्रिया होगी।

पाकिस्तान में सिख हकीम की हत्या, पुलिस ने 4000 लोगों के मोबाइल डेटा खंगाले

पेशावर। पाकिस्तान में सिख हकीम के हत्यारों का पता लगाने के लिए पुलिस ने 4,000 लोगों की पहचान की है और उनके मोबाइल डेटा की जांच शुरू कर दी है। हकीम की हत्या पिछले महीने कर दी गई थी। सरदार सतनाम सिंह (खालसा) यूनानी हकीम थे। वह गत 30 सितंबर को अपने क्लीनिक में थे, जब हमलावरों ने उनके केबिन में घुस कर गोलियां चलाईं, जिसमें 45 मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में 15 अधिकारियों वाली चार विशेष जांच टीमें काम कर रही हैं। तीन टीमें खुफिया जानकारी साझा कर रही हैं, मोबाइल डेटा एकत्र कर रही हैं, संदिग्धों की जांच कर रही हैं, जबकि चौथी टीम को पेशावर और आसपास के अन्य क्षेत्रों से संदिग्धों को गिरफ्तार करने का काम सौंपा गया है। आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट से संबद्ध इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएसआईएस-के) ने सिख की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर, पुलिस ने लक्षित हत्या की धारणा को नकार दिया है और इस मामले की विभिन्न कोणों से जांच कर रही है। पुलिस ने सिंह के क्लीनिक में काम करने वाले एक व्यक्ति से पूछताछ की है और मरीजों के बारे में जानकारी भी एकत्र की है। सिंह खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर के चारसद्दा रोड पर अपना क्लीनिक धर्मांदर फार्मेसी चलाते थे। वह पिछले 20 साल से शहर में रह रहे थे। पेशावर में लगभग 15,000 सिख रहते हैं।

अगर भारत युद्ध शुरू करे तो जरूर हार जाएगा : चीनी मुखपत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि भारत के साथ बिगड़ते हालात की स्थिति में चीन को सैन्य संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए।

ग्लोबल टाइम्स के एक संपादकीय में कहा गया है, नई दिल्ली को एक बात के बारे में स्पष्ट होने की जरूरत है = उसे सीमा नहीं मिलेगी जैसा वह चाहता है। अगर यह युद्ध शुरू करता है, तो यह निश्चित रूप से हार जाएगा। किसी भी राजनीतिक हस्तक्षेप और दबाव को चीन द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

भारत के साथ सीमा विवाद को संभालने में, चीन के लिए दो काम करना सबसे महत्वपूर्ण है। पहला, हमें इस सिद्धांत पर टिके रहना चाहिए कि भारत चाहे कितनी भी मुसीबत में क्यों न हो, चीन का क्षेत्र चीन का है और हम इसे कभी नहीं सौंपेंगे। भारत अभी भी सीमा मुद्दे पर नींद में चल रहा है। हम इसके जागने का इंतजार कर सकते हैं। चीनी लोग जानते हैं कि चीन और भारत दोनों एक-दूसरे के साथ लंबे समय तक सीमा गतिरोध को बनाए रखने के लिए पर्याप्त राष्ट्रीय ताकत के साथ महान शक्तियाँ हैं। इस तरह का आपसी अलगाव खेदजनक है, लेकिन अगर भारत ऐसा करने को तैयार है, तो चीन इसे तब तक कंपनी में रखेगा जब तक अंत गलवान घाटी संघर्ष यह साबित करता है कि चीन भारत-चीन संबंधों को आसान बनाने के लिए अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। ग्लोबल टाइम्स ने कहा, अगर नई दिल्ली चीन और भारत के बीच अंतर्निहित गतिशीलता को गलत तरीके से समझना जारी रखती है और चीन के संकल्प और दृढ़ संकल्प को कम आंकती है, तो यह केवल अपने लिए नई गलत सूचना पैदा करेगी और भारत को और नुकसान पहुंचाएगी। कहा गया है, वार्ता में भारत का रवैया अवसरवादी है। नई दिल्ली मानती है कि चीन को अपनी समग्र राष्ट्रीय रणनीति हासिल करने के लिए अपनी पश्चिमी सीमाओं में स्थिरता की इच्छा के कारण भारत की मदद की जरूरत है। विशेष रूप से, भारत चीन-अमेरिका संबंधों में गिरावट को प्रमुख रणनीतिक सौदेबाजी चिप्स हासिल करने के अवसर के रूप में देखता है। नई दिल्ली को उम्मीद है कि बीजिंग सीमा मुद्दे पर अपना रुख नरम करेगा और नई दिल्ली को बीजिंग के खिलाफ वाशिंगटन के साथ खुद को संरेखित करने से रोकने के लिए अपनी मांगों को पूरा करेगा।

पाक को औद्योगीकरण में तेजी लाने, रोजगार मुहैया कराने के लिए निवेश की जरूरत : इमरान खान

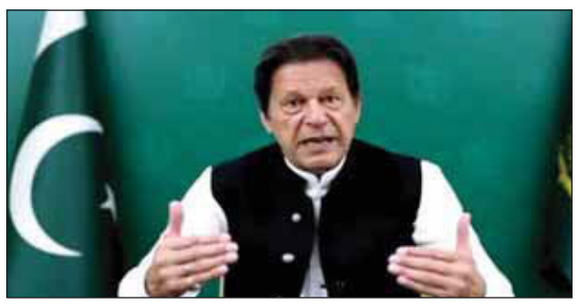

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा कि उनके देश को औद्योगिकीकरण में तेजी लाने और अपनी बढ़ती आबादी को रोजगार मुहैया कराने के लिएविशेष रूप से चीन से निवेश की जरूरत है।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत स्थापित किए जा रहे विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में चीनी निवेशकों की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, खान ने संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक चीनी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भूमि और कर प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये।

खान ने कहा, 'पाकिस्तान को औद्योगीकरण में तेजी लाने के लिए निवेश की जरूरत है। हमारी बढ़ती आबादी के लिए अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा करना महत्वपूर्ण है, जिनमें से 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु के हैं।' उन्होंने कहा, ''संबंधित अधिकारी पाकिस्तान में निवेश करने और एसईजेड को स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक चीनी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए भूमि, बिजली और गैस कनेक्शन और कर प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सभी संभव उपाय करें।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, ताइवान के पास समुद्र तट पर किया युद्धाभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ताइवान को लेकर चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। ताइवान के साथ तनाव के बीच चीनी सेना ने दावा किया है कि उसने राष्ट्र के पास समुद्र तट पर लैंडिंग और हमले का अभ्यास किया है। पीएलए के मुताबिक उसने दक्षिणी फुज़ियान प्रांत में यह अभ्यास किया। इस सैन्य अभ्यास में सैपर, सैनिक और नौकाएं शामिल रहे। फुज़ियान रणनीतिक रूप से ताइवान के पास स्थित है और इसे ताइवान की ओर लगने वाली सीमा पर चीनी सेना के लिए एक प्रमुख आधार माना जाता है।

चीनी सेना ने कथित तौर पर धुएं के हथगोले के साथ इस अभ्यास को अंजाम दिया जिसमें छोटी नाव का भी इस्तेमाल किया गया है। इस दौरान विभिन्न प्रकार की खाइयों को खोदा गया तथा कांटेदार तारों को तोड़ दिया गया। यह कदम तब आया है जब चीनी जेट पिछले हफ्ते ताइवान के हवाई क्षेत्र में बार-बार प्रवेश कर चुका है। तनाव के बीच ही ताइवान के रक्षा मंत्री ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि चीन 2025 में देश पर आक्रमण करने के लिए तैयार है जो तनाव को और बढ़ा देगा।

इससे पहले ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर रविवार को राष्ट्रपति साई इंग वेन ने अपने भाषण में राजनीतिक यथास्थिति बनाए रखने का आह्वान किया जो चीन के बढ़ते दबाव को दिखाता है। राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित परेड में ताइवान की रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया गया और इस दौरान राष्ट्रपति साई इंग वेन ने चीनी सेना के बलप्रयोग को दृढ़ता से खारिज किया। ताइपे के मध्य में प्रेसिडेंशियल ऑफिस बिल्डिंग में आयोजित समारोह के दौरान ताइवान के विभिन्न जातीय समूहों से गायकों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जयशंकर ने उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की

नूर-सुल्तान (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के अपने समकक्षों के साथ सोमवार को द्विपक्षीय बैठकें कीं। उन्होंने परस्पर तथा क्षेत्रीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की और अफगानिस्तान में घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा अफगानिस्तान में घटनाक्रम समेत अहम क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के उद्देश्य से तीन मध्य एशियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत सोमवार को कजाखस्तान पहुंचे। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''मंगलवार को सीआईसीए मंत्री स्तरीय बैठक 2021 के लिए नूर-सुल्तान पहुंचा हूं।उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री अब्दुल अजीज कामिलोव के साथ द्विपक्षीय बैठक के साथ यात्रा शुरू की। हमारी बातचीत अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम पर केंद्रित रही।''

बाद में उन्होंने तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्री राशिद मेरेदोव से मुलाकात की और द्विपक्षीय तथा क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने ट्वीट किया, ''तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्री राशिद मेरेदोव से मुलाकात करके अच्छा लगा। हमारे द्विपक्षीय और

क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। पड़ोसी देश में घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान किया। संपर्क में बने रहने पर सहमति जतायी।'' जयशंकर मंगलवार को एशिया में संवाद एवं विश्वास निर्माण के उपाय (सीआईसीए) पर छठे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। कजाखस्तान इस समूह का मौजूदा अध्यक्ष है। जयशंकर किर्गिस्तान से कजाखस्तान पहुंचे। नूर-सुल्तान से वह आर्मेनिया जाएंगे जहां वह आर्मेनिया के अपने समकक्ष अरारात मिर्जोयां और प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यां से मुलाकात करेंगे।

चीन में व्हाट्सऐप इस्तेमाल करने पर मुस्लिम महिलाओं को किया जा रहा कैद- किताब में दावा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन में मुस्लिम महिलाओं पर अत्याचार से जुड़ी सच्चाईयां कई बार उजागर हो चुकी हैं। अब एक किताब में दावा किया गया है कि चीन मुस्लिम महिलाओं को व्हाट्सऐप इस्तेमाल करने पर हिरासत में ले रहा है। चीन ने ऐसी मुस्लिम महिलाओं को प्री-क्रिमिनल्स कहा है। एक नई किताब 'In The Camps: China's High-Tech Penal Colony' में चीन की इस चालबाजी का खुलासा किया गया है।

इस किताब में वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी की एक छात्रा वेरा झोऊ के केस का उदाहरण दिया गया है। वेरा झोऊ को हाल ही में वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर अपने स्कूल के जीमेल अकाउंट को खोलने के लिए हिरासत में ले लिया गया था। बताया जा रहा है कि छात्रा ने इस जीमेल अकाउंट को चीन के झिनजियांग में अपना होमवर्क सब्मिट करने के लिए खोला था। छात्रा से जुड़ी यह रिपोर्ट बिजनेस इनसाइडर में पब्लिश की गई थी।

वेरा झोऊ ने बताया कि उन्हें हिरासत में लेने के बाद उनसे कहा गया कि उन्हें री-एजुकेशन क्लास में भेजा जा रहा है। वेरा झोऊ के मुताबिक वो काफी दिनों तक कैद में रहीं और यहां तक कि साल 2018 में नया साल कैद में ही बिताया था। वेरा झोऊ कैंप में करीब 6 महीने तक रही थी। उन्हें इस शर्त पर छोड़ा गया कि उन्हें सोशल स्टैबिलिटी वर्कर को रिपोर्ट करना होगा।

कैंप से छूटने के बाद भी वेरा झोऊ ऐसा महसूस करती थीं कि वो डिजीटली रूप से कैद हैं। वेरा झोऊ को मुस्लिम प्री-क्रिमिनल तक कहा गया। बता दें कि चीन में बनाए गए डिटेन्शन सेंटर में 1 मिलियन उईगर लोग और अन्य मुस्लिम संगठनों से जुड़े लोगों को कैंप में रखा है। कैंपों में रखे गये इन लोगों से जबरन काम कराया जाता है और इनपर कई तरह के जुल्म किये जाते हैं।

'In The Camps: China's High-Tech Penal Colony' नाम की यह किताब मंगलवार को रिलीज कई गई थी। इस किताब में वेरा झोऊ के अलावा 11 अन्य मुस्लिम महिलाओं का जिक्र ह। जिन्हें पुलिस ने प्री-क्रिमिनल कहा है।

कोयले की कमी के चलते विद्युत संकट पर बोले सत्येंद्र जैन

कोयले से चलने वाला एक भी पावर प्लांट नहीं

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

नई दिल्ली । दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने कोयले की कमी के चलते विद्युत संकट को लेकर एक प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली में एक भी कोयले से पॉवर प्लांट नहीं चलता है और भाजपा इस पर सिर्फ अफवाह फैला रही है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड एनटीपीसी दिल्ली सरकार के करार के अनुसार 3500 मेगावाट बिजली देता था, लेकिन आज वह उसकी आधी यानी 1750 मेगावाट बिजली दे रहा है। दिल्ली में गैस से चलने वाले बिजली के पावर प्लांट है, लेकिन केंद्र सरकार ने दिल्ली को निर्धारित दर पर गैस देना बंद कर दिया है, जिसके कारण दिल्ली सरकार को बिजली उत्पादन करने के लिए मार्केट रेट पर गैस खरीदनी पड़ रही है। इसकी वजह से

भाजपा फैला रही है अफवाह : सत्येंद्र जैन

बिजली उत्पादन दर बढ़ चुका है। इस लिए दिल्ली में कोई भी पॉवर कट नहीं लग रहा है और दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों को 24 घंटे बिजली मुहैया करवा रही है। ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या सच में देश में कोयले की कमी है या फिर जानबूझकर बिजली की कटौती की जा रही है।

ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा की दिल्ली में कोई भी कोयले से चलने वाला पॉवर प्लांट नहीं है। दिल्ली सारकार दिल्ली के बाहर स्थित कोयले के पॉवर प्लांट से बिजली खरीदती है।

एनटीपीसी ने पॉवर प्लांट में बिजली उत्पादन किया आधा

बिजली का बड़ा उत्पादक केंद्र सरकार की एनटीपीसी है। पिछले कुछ दिनों से एनटीपीसी ने अपने पॉवर प्लांट में बिजली का उत्पादन आधा कर दिया है। ऐसा उन्होंने एक प्लांट पर ही नहीं किया है, बल्कि देश में स्थित अपने सभी प्लांट में किया है। 5-6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री को इस विषय पर पत्र भी लिख चुके हैं। चाहे पंजाब हो, आंध्र प्रदेश हो, या उत्तर प्रदेश हो, सब जगह पॉवर कट लगाए जा रहे हैं। लेकिन दिल्ली सरकार ने दिल्ली में पॉवर कट नहीं लगने दिया है।

दिल्ली सरकार महंगी बिजली खरीदकर भी दिल्ली के लोगों को 24 घंटे बिजली दे रही है। पावर कट करने के लिए दिल्ली सरकार को मजबूर किया जा रहा है क्यूंकि एनटीपीसी दिल्ली को आधी बिजली ही दे रहा है। ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन आगे कहा की एक तरफ केंद्र सरकार कहती है कि कोयले की कोई कमी नहीं है और दूसरी तरफ बैठक कर कहती है कि कोयले की जिम्मेदारी अब केंद्रीय मंत्री संभालेंगे। केंद्र सरकार बताए कि कोयले की कमी है या नहीं है या फिर जानबूझकर ऐसा किया जा रहा है।

दिल्ली को हफ्तेभर बाद मिलेगी गर्मी से राहत, 17-18 को हो सकती है हल्की बारिश

नई दिल्ली । मॉनसून के देर से विदा होने के चलते दिल्ली में गर्मी बढ़ी हुई है। सोमवार को भी दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री तो न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में 17-18 अक्टूबर को हल्की बरसात हो सकती है। उसके बाद तापमान सामान्य स्तर पर आ जाएगा। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि तापमान को सामान्य स्तर पर आने में अभी सप्ताह भर का समय लग सकता है। सफदरजंग मौसम केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है।

मौसम निगरानी संस्था स्काईमेट के विज्ञानी महेश पालावत के अनुसार, इस बार मॉनसून के देर से विदा होने के साथ ही आसमान साफ हुआ है, जिसके चलते तेज धूप निकल रही है। मौसम में नमी समाप्त हो गई है। इसके चलते तापमान में इजाफा हुआ है। दिल्ली में सुबह गर्म रहा मौसम-राजधानी दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक, 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हवा में आर्द्रता का स्तर 82 प्रतिशत रहा। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं, सोमवार को न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

दिल्ली में 18 से फिर शुरू होगा रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान, केजरीवाल बोले- पड़ोसी राज्यों में पराली जलना शुरू

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में प्रदूषण पर काबू पाने के लिए आगामी 18 अक्टूबर से एक बार फिर रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान की शुरुआत होने जा रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्लीवासियों से आग्रह किया कि वे सप्ताह में एक बार वाहनों का इस्तेमाल बंद करके और रेड लाइट पर वाहनों के इंजन बंद करके शहर में प्रदूषण को कम करने में मदद करें। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के आस-पास के राज्यों के किसानों ने पराली जलाना शुरू कर दिया है, जिसके कारण दिल्ली में पिछले तीन-चार दिनों से वायु प्रदूषण बढ़ने लगा है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाला प्रदूषण सुरक्षित सीमा में है, लेकिन अन्य राज्यों में पराली जलाने से यह बढ़ रहा है। सीएम ने कहा, मैं पिछले एक महीने से वायु गुणवत्ता के आंकड़े ट्वीट कर रहा हूं। इससे पता चलता है कि प्रदूषण बढ़ना शुरू हो गया है क्योंकि पड़ोसी राज्यों ने अपने किसानों की मदद नहीं की, जो धान की पराली जलाने के लिए मजबूर हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि दिल्लीवासियों को प्रदूषण कम करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति जिम्मेदारी ले और स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 18 अक्टूबर से शुरू होने वाले रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान सहित तीन उपायों में योगदान दें। हमने पिछले साल भी रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ पहल शुरू की थी। यह 18 अक्टूबर से फिर से शुरू हो जाएगा, जैसे ही आप रेड लाइट पर रुकते हैं, अपने वाहन के इंजन को बंद कर दें। आप चाहें तो इसे आज ही शुरू कर सकते हैं, हालांकि इसे औपचारिक रूप से 18 तारीख को लॉन्च किया जाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि रेड लाइट पर वाहन के इंजन बंद रखने से 250 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है और करीब 13-20 प्रतिशत तक प्रदूषण भी कम हो सकता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें सप्ताह में कम से कम एक बार अपना वाहन नहीं निकालने और मेट्रो, बस, या दूसरों के साथ कार पूल करने का निर्णय लेना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि अगर आपने ग्रीन दिल्ली ऐप डाउनलोड नहीं किया है, तो आज ही कर लें। यदि आप दिल्ली में कहीं भी प्रदूषण देखते हैं - एक ट्रक जो वायु प्रदूषण का कारण बनता है, कोई भी उद्योग जो प्रदूषण पैदा कर रहा है, कचरा जला रहा है - आप ऐप के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं। हमारी टीम मौके पर पहुंचेगी और प्रदूषण के स्रोत को रोकेगी। उन्होंने कहा कि लोग प्रदूषण की घटनाओं की सूचना देकर दिल्ली सरकार की आंख-कान बनें ताकि इसे रोका जा सके।

संक्षिप्त खबर

वॉकारू ने आमिर खान के साथ लॉन्च किया वॉक मोर, रेस्टलेस कैम्पेन

नई दिल्ली। त्यौहार के इस मौसम में प्रमुख भारतीय फैशन फुटवियर ब्रांड, वॉकारू ने ग्राहकों के साथ अपने संबंध मजबूत बनाने के लिये अपना एकीकृत मार्केटिंग कैम्पेन, वॉक मोर, रेस्टलेस लॉन्च किया है। यह कैंपेन 12 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। वॉकारू छह फिल्मों की एक सीरीज पेश करने जा रहे हैं, जिसमें बॉलीवुड एक्टर और सुपरस्टार, आमिर खान नजर आयेंगे। आमिर इस कैम्पेन सीरीज में 6 अलग-अलग अवतारों में नजर आएंगे। दिलचस्प और मनोरंजक कहानी के जरिये इस ब्रांड ने अपने ब्रांड एम्बेसडर आमिर खान को 6 अलग-अलग कहानी में गढ़ा है। इस कैम्पेन के बारे में, वीकेसी नौशाद, मैनेजिंग डायरेक्टर, वॉकारू इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा की आमिर खान के साथ इस लेटेस्ट कैम्पेन को लॉन्च करते हुए बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। इस कैम्पेन में वॉकारू द्वारा पेश किय जाने वाले ट्रेंडी और विशाल वैरेयटी के साथ आमिर खान लगातार अपना रूप बदल रहे हैं।

कलियर शरीफ के उर्स के आगाज पर केजरीवाल की चादरपोशी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दिल्ली से कल रवाना की गई चादर को लेकर उर्स कमेटी के चेयरमैन एफ.आई.स्माइली और कमेटी के सदस्य आज कलियर शरीफ पहुंचे और कलियर शरीफ के उर्स के आगाज पर चादरपोशी की। मालूम हो कि कल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कलियर शरीफ के लिए चादर रवाना की थी, जिसमे दिल्ली के खाद्य मंत्री इमरान हुसैन और उर्स कमेटी के चेयरमैन एफ.आई. इस्माइली, लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार, भाईचारा कमेटी के अध्यक्ष मेहरबान कुरैशी, उर्स कमेटी के सदस्य फईमुद्दीन सैफी, परवेज नूर, मोहम्मद मुस्तफा, वकार भोपाली, फुरकान कुरेशी, रिजवान सैफी आदि मौजूद रहे। ज्ञात हो कि हज़रत मख़दूम अलाउद्दीन अली अहमद साबिर पाक रहमतुल्ला अलैह के 753वें उर्स की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चादर को पेश करने के लिए दरगाह शरीफ में ख़ास इंतजाम किया गया था, जिसमें इंडियन आईडल फेम सिंगर मोहम्मद दानिश मुंबई से ख़ास तौर पर चादरपोशी के लिए कलियर शरीफ तशरीफ लाए थे और दिल्ली से आई टीम का आम आदमी पार्टी के पिरान कलियर विधानसभा प्रभारी इंजीनियर शादाब आलम ने अपनी टीम के साथ पुरजोर इस्तकबाल किया।

राष्ट्रवादी विकास पार्टी व स्वाभिमान पार्टी उप्र चुनाव के लिए हुई एकजुट

नई दिल्ली। एकता में ताकत है और जब दो कर्मठ व्यक्ति मिल जाए तो उन्हें कोई हरा नहीं सकता यह कहना है यूपी में उभरती हुई राष्ट्रवादी विकास पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अनूप के.श्रीवास्तव का जिन्होंने कहा कि केंद्र में सशक्त विपक्ष न होने के कारण सरकार अपनी मनमानी करने लगी है इसलिए राष्ट्रवादी विकास पार्टी और स्वाभिमान पार्टी ने मिलकर एक नयी शक्ति और एक विकल्प लाने की तैयारी कर दी है। जिस तरह देश इस समय भ्रमित हो रहा है उसे एक दिशा में ले जाना बहुत जरूरी है। क्योंकि हम सर्वधर्म और जातियों को एक साथ लेकर चलना चाहते है, देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति व बढ़ती हुई बेरोजगारी और शिक्षा के क्षेत्र में काम होना चाहिए, लेकिन हो क्या रहा है धर्म और जातिवाद कर आपसी भाईचारे, प्रेम और देश की प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करके सम्पूर्ण भारत का माहौल खराब हो रहा है इन राजनैतिक संगठनों के खिलाफ हम अपनी आवाज बुलंद करते हैं।

दिल्ली देहात के शहीद जवानों को मिले एक-एक करोड़ मुआवजा राशि : सुरेंद्र सोलंकी

(रविशंकर तिवारी)।

नई दिल्ली । पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिख कर पिछले दिनों दिल्ली देहात के जो 2 जवान शहीद हो गए, उनके परिजनों को 1-1 करोड़ रुपए मुआवजा राशि देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से दोनों ही शहीदों के परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की है। आपको बता दें कि पिछले दिनों दिल्ली के दिचाऊं कलां गांव के निवासी शहीद नाविक हरीओम जो कि भारतीय नौसेना के एक अभियान के दौरान त्रिशूल चोटी पर चढ़ाई के दौरान हिमस्खलन की चपेट में आने से अपनी जान गंवा दी और शहीद हो गए। वहीं दूसरी तरफ सीआरपीएफ के जवान दिल्ली के कैर गांव के निवासी शहीद त्रिलोक सिंह जो कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर डिस्ट्रिक्ट में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। दोनों ही शहीदों के घरों में मातम पसरा हुआ है। चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि हमारे दिल्ली देहात के दोनों जवान तिरंगे की शान में और देश की सेवा करते हुए शहीद हुए। हमें उनकी शहादत पर गर्व है लेकिन हमें उनके जाने का बहुत दुख भी है।

दोनों ही जवानों के परिवार में छोटी बच्चियां हैं। उनके भविष्य और परिवार के पालन पोषण की भी हमें चिंता है। इसीलिए हम दिल्ली के मुख्यमंत्री से दोनों शहीदों के परिजनों को एक-एक करोड़ रूपया मुआवजा राशि देने और केंद्र सरकार से शहीदों के परिजनों के किसी एक एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग करते हैं।

टिफिन बॉक्स के जरिये दिल्ली को दहलाने की थी आतंकी की साजिश

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की गिरफ्त में आए मोहम्मद अशरफ की मदद से त्योहारों के दौरान दिल्ली में बड़े पैमाने पर तबाही फैलाने की तैयारी थी। इसके लिए टिफिन बॉक्स का इस्तेमाल कर आईईडी के जरिए विस्फोट करने की योजना थी। इसके लिए उसे सीमापार से आदेश मिला था। स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दो महीने पहले कश्मीर में एक अभियान के दौरान दिल्ली में स्लीपर सेल के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद से टीम टेक्निकल सर्विलांस के जरिए लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस को अशरफ का नाम मालूम चला तो आठ अक्तूबर को षड्यंत्र रचने की धारा में एफआईआर दर्ज कर लिया गया और सूचना मिलने पर कार्रवाई की गई। आरोपी अशरफ ने पूछताछ में बताया कि आतंकी हमले की तैयारी के लिए हथियार और धन की व्यवस्था कर दी गई थी। उसने आईएसआई के कहने पर हथियार आदि ले लिए थे, जिसे समय आने पर बताए गए शख्श को देना था। इसके बाद भीड़-भाड़ वाली जगहों पर टिफिन बॉक्स में आईईडी विस्फोट करने की योजना थी। इनके निशाने पर दिल्ली सहित देश के कई प्रमुख शहर थे।

तांत्रिक बनकर 15 साल से भारत में छिपा था- आईएसआई का स्लीपर सेल मोहम्मद अशरफ भारत में तांत्रिक बनकर छिपा हुआ था। वह इलाके की महिलाओं और बच्चों को मंत्र से झाड़-फूंककर ठीक करने का दावा करता था। इस दौरान वह देश के अलग-अलग हिस्सों में रहकर आतंकी घटनाओं की साजिश रचता रहा। हालांकि उसके विषय में आसपास के लोगों को कभी भनक तक नहीं लगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि माता-पिता का देहांत होने के बाद अशरफ आईएसआई के संपर्क में आ गया। आईएसआई ने उसे छह महीने का प्रशिक्षण दिया।

बांग्लादेश के रास्ते आया था भारत

आईएसआई के सहयोग से वह 2005 में बांग्लादेश से सिलीगुड़ी होते हुए भारत में आया था। उसने बिहार में फर्जी पहचान पत्र बनवाया और फिर घूमने के बाद गाजियाबाद के वैशाली में अपना ठिकाना बना लिया। स्थानीय पहचान पत्र हासिल करने के लिए उसने वैशाली में एक युवती से विवाह किया, लेकिन छह महीने बाद ही उसे छोड़ दिया। इस दौरान उसने सभी जरूरी दजस्तावेज जैसे आधार, वोटर कार्ड और पासपोर्ट भी बनवा लिया। अशरफ कुछ समय तक सराय रोहिल्ला के शास्त्री नगर इलाके में एक मकान में किराए पर रहा। यहीं पर उसने अली अहमद नूरी के नाम से पहचान पत्र भी बनवाया था।

भरोसा का फायदा उठाकर दिया धोखा- अशरफ बिहार से अजमेर पहुंचा, जहां उसने स्थानीय मौलवी से दोस्ती कर ली। बाद में वह मौलवी के साथ दिल्ली आया। पुरानी दिल्ली इलाके में मौलवी के रिश्तेदार की फैक्टरी थी, जिसमें अशरफ दैनिक वेतन भोगी के तौर पर नमाज पढ़ाने लगा। इस दौरान अशरफ ने मौलवी के अन्य रिश्तेदारों का भरोसा जीता। वह उनके वेस्टर्न यूनियन मनी की आईडी के जरिये आईएसआई से रुपये मंगाता था।

मकान मालिक से राशन कार्ड बनवाने के लिए मदद मांगी थी

अशरफ छह-सात महीने के लिए शास्त्रीनगर स्थित नसीम अहमद के मकान में किराये पर रहा था। नसीम के बेटे ने बताया कि करीब 14-15 साल पहले अशरफ आया था। इस दौरान उसने नसीम से दोस्ती कर ली। फिर मजबूरी का हवाला देकर राशन कार्ड बनवाने के लिए मदद मांगी। इसके आधार पर उसने अन्य कागजात भी बनवा लिए।

बदलता रहा ठिकाना- पिछले 15 वर्षों में भारत में रहने के दौरान अशरफ लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा। इस दौरान वह दिल्ली में दो स्थानों के अलावा, जम्मू, उधमपुर, अजमेर और कोलकाता में भी रहता था। इस दौरान वह आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में आईएसआई की लगातार मदद करता रहा।

दो बार विदेश भी गया था- अशरफ ने 2015 में भारतीय पासपोर्ट बनवा लिया था। पुलिस ने यह पासपोर्ट तुर्कमान गेट स्थित एक मकान से बरामद किया है। इस पासपोर्ट पर वह एक बार सउदी अरब और एक बार थाईलैंड भी गया था। इसके अलावा उसने नेपाल की भी यात्रा की थी। पुलिस के अनुसार वह धार्मिक गुरु बनकर यात्रा करता था।

छठ पूजा पर रोक के विरोध में केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन कर रहे बीजेपी सांसद मनोज तिवारी घायल, सफदरजंग अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली में छठ पूजा को लेकर भाजपा द्वारा शुरू की गई सियासी जंग अब और तेज हो गई है। इस बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर धरना दे रहे बीजेपी सांसद मनोज तिवारी कथित तौर पर चोट लगने से घायल हो गए। उन्हें सफदरजंग अस्पताल के आपातकालीन विंग में ले जाया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। उनके कान में चोट लगी है।

जानकारी के अनुसार, इस साल भी नदी किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर छठ पर्व मनाने पर प्रतिबंध के खिलाफ उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली भाजपा नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के पास धरना दिया। दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री आवास के आसपास के इलाके में भारी बैरिकेडिंग कर दी थी ताकि प्रदर्शनकारियों को सीएम आवास तक जाने से रोका जा सके।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब पुलिस टीमों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान तिवारी जिस बैरिकेड पर चढ़े थे, उससे गिरने के कारण वह घायल हो गए। उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और अन्य ने राजधानी में लाखों पूर्वांचलियों द्वारा मनाए जाने वाले त्योहार पर रोक के लिए केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की निंदा की। भाजपा नेता इस रोक को वापस लेने के लिए दबाव बना रहे हैं।

हालांकि, गुप्ता ने सोमवार को कहा था कि छठ पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा और भाजपा शासित नगर निगम इसकी व्यवस्था करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल सरकार से त्योहार पर से प्रतिबंध हटाने के लिए डीडीएमए को एक प्रस्ताव भेजने की मांग की। इससे पहले केजरीवाल ने कहा था कि सार्वजनिक स्थानों पर छठ पर रोक लगाने का फैसला लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है।

वहीं, तिवारी ने छठ पूजा समारोह पर प्रतिबंध लगाने के लिए दिल्ली सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि अगर प्रतिबंध नहीं हटाया गया तो भाजपा दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेगी। तिवारी ने कहा कि शहर में छठ पूजा पर रोक लगाकर केजरीवाल ने लाखों पूर्वांचलियों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि अगर रोक नहीं हटाई गई, तो वह पूर्वांचलियों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

तिवारी ने इस मुद्दे पर दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचली समुदाय के लोगों के साथ बातचीत कर सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा समारोह आयोजित करने पर उनकी राय लेने के लिए छठ यात्रा शुरू करने का भी ऐलान किया था। बता दें कि, दिल्ली छठ पूजा समिति के पदाधिकारियों ने हाल ही में मनोज तिवारी से उनके आवास पर मुलाकात कर कोविड नियमों का पालन करते हुए यमुना नदी के किनारे, तालाबों और अन्य और सार्वजनिक स्थानों पर त्योहार मनाने का आग्रह किया था।

गौरतलब है कि 30 सितंबर को दिल्ली सरकार ने राजधानी में कोविड-19 महामारी का हवाला देते हुए सार्वजनिक स्थानों, सार्वजनिक मैदानों, नदी तटों और मंदिरों में छठ पूजा उत्सव की अनुमति नहीं दी जाएगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा जारी एक आदेश में जनता को अपने घरों में ही छठ पूजा मनाने की सलाह दी गई है।

छठ पूजा चार दिवसीय त्योहार है और राष्ट्रीय राजधानी में बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश के रहने वाले लोग (जिन्हें पूर्वांचली भी कहते हैं) बड़ी सख्या में इसे मनाते हैं।

डेंगू के 41 नए मरीज मिले, सरकारी और निजी अस्पतालों में बेड फुल

नोएडा । जिले में मंगलवार को डेंगू के सर्वाधिक 41 नए मरीज मिले। इन मरीजों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। डेंगू और बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे सरकारी और निजी अस्पतालों के बिस्तर फुल हो गए हैं। मरीजों के इलाज के लिए अतिरिक्त बिस्तर भी लगाए गए हैं। जिले में अब कुल मरीजों की संख्या 157 हो गई है। डेंगू के साथ ही वायरल बुखार के मरीजों की संख्या दोबारा बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल में ही 600 से अधिक मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। वहीं बड़े निजी अस्पतालों में भी बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

सेक्टर-27 स्थित एक निजी अस्पताल में मरीजों की संख्या इतनी अधिक हो गई कि यहां के सभागार में 40 अतिरिक्त बेड लगाए गए। एक दिन में इक्का-दुक्का बेड को छोड़कर सभी मरीजों से भर गए। जिला अस्पताल में भी सभी 100 बेड पर मरीजों का इलाज चल रहा है।

शिशु अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भी प्रतिदिन 25 से अधिक मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। यहां कई बार एक बेड पर दो मरीजों को रखना पड़ रहा है। कोविड जांच के बाद मरीज को वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा है। जांच और रिपोर्ट आने में करीब 4-6 घंटे तक मरीजों को आपातकालीन विभाग में रहना पड़ रहा है।

शिशु अस्पताल की निदेशक डॉ. ज्योत्सना मदान ने बताया कि आपातकालीन में आने वाले मरीजों की पहले कोविड जांच की जाती है। कोविड जांच निगेटिव होने के बाद उन्हें वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाता है। अगर मरीजों की संख्या और भी ज्यादा हुई तो आपातकालीन विभाग में बेड की संख्या बढ़ानी पड़ेगी। अभी 19 बेड हैं। जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि दवाओं का छिड़काव और अलग-अलग स्थानों का निरीक्षण जारी है। जहां-जहां मरीज मिले हैं वहां के आसपास के क्षेत्र में भी दवाओं का छिड़काव किया गया है।

नोएडा : योग शिक्षक भर्ती के नाम ठगी करने वालों के खिलाफ एफआईआर

नोएडा । योग और खेल शिक्षक भर्ती के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों में संस्थान चैयरमैन, ट्रस्टी, प्रेजिडेंट भी शामिल है। एसीपी प्रथम की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। मूलरुप से कन्नौज निवासी श्वेता सिंह ने बताया कि उन्होंने जनवरी 2020 में सोशल मीडिया पर एक विज्ञापन देखा था। सेक्टर 64 स्थित बी ब्लॉक में संचालित आयुष्मान भारत योग एवं खेलकूद प्रशिक्षण नाम के संस्थान तरफ से जारी विज्ञापन में योग और खेल शिक्षकों के 2276 पदों पर भर्ती निकाली गई थी। आरोप था कि आरोपियों ने उनसे ट्रेनिंग के नाम पर 1.55 लाख रुपये ले लिए। आरोपियों ने पीड़ितों को फर्जी ज्वाइनिंग लैटर थमा दिए थे। इसके बाद न तो नौकरी दी और न ही पैसे वापस किए। इसी तरह सैंकड़ों पीड़ितों के साथ ठगी की गई थी।

मामले की जांच एसीपी प्रथम अब्दुल कादिर को सौंपी गई थी। जांच के दौरान संदिग्धों को अपना पक्ष रखने के लिए कई बार बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आए। इसके बाद रिपोर्ट को अपर पुलिस आयुक्त लव कुमार के पास भेज दिया गया था। अब उनके द्वारा रिपोर्ट देखने के बाद संस्थान के चेयरमैन गाजियाबाद के दामोदर कुमार शर्मा , ट्रस्टी संजय चौधरी , प्रेजिडेंट साद अब्बासी, फाउंडर मेरठ मवाना के विपुल और टेक्निकल टीम के विनीत गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। एसीपी अब्दुल कादिर ने बताया कि पुलिस जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी शुरु करेगी।

ठगी के शिकार 55 सौ लोगों ने 15 मिनट में दी सूचना, दिल्ली पुलिस ने ढाई करोड़ रुपये बचाए

नई दिल्ली। दिल्ली में साइबर ठगी के शिकार हुए 55 सौ लोगों ने 15 मिनट से पहले ही मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को दी। शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई और कार्रवाई करते हुए पीड़ितों के ढाई करोड़ रुपये ठगों से बचा लिए। यह ढाई करोड़ रुपये वह हैं, जो आरोपियों ने पीड़ितों के बैंक अकाउंट से निकाल कर अपने व किराये पर लिए गए अकाउंटों में डाले थे। अब पुलिस इन पैसों को पीड़ितों तक पहुंचे का काम कर रही है। आरोपियों के यह अकाउंट बिहार, बंगाल और झारखंड सहित छह राज्यों में चल रहे हैं। दिल्ली पुलिस सभी बैंक अधिकारियों के सम्पर्क में हैं।

छह माह में आई 55 सौ शिकायतें- दिल्ली पुलिस के पास पिछले छह माह में 55 सौ लोगों ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत की है। पुलिस ने लगभग 75 प्रतिशत मामलों में शिकायत मिलते ही पीड़ितों के पैसे रुकवाने की कोशिश की। ज्यादातर मामलों में पुलिस ने हरियाणा, बिहार और झारखंड से आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वह लोग शामिल थे, जिन्होने अपना अकाउंट आरोपियों को किराये पर दिया था।

15 मिनट में करें शिकायत- पुलिस अधिकारी ने बताया कि अगर कोई व्यक्ति साइबर ठगों का शिकार बन जाता है तो उसे तुंरत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी किए गए नम्बर 155260 पर शिकायत करनी चाहिए। अगर कोई भी व्यक्ति ठगी के पहले 15 मिनट में शिकायत करता है, तो पुलिस तुंरत कार्रवाई करते हुए पीड़ित द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संबंधित बैंकों के अधिकारियों को सम्पर्क कर ठगी की रकम को उस बैंक या फिर उस ई-वॉलेट में पैसे रुकवा देती है। जिसके बाद यह पैसे पीड़ितों के अकाउंट में वापस ट्रांसफर कर दिए जाते हैं।

कैसे मिलते हैं वापस पैसे-पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों के पैसे बैंकों में सीज कराने के बाद अधिकारियों से सम्पर्क कर जांच से संबंधित और पीड़िता द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज देने के बाद वापस पीड़ितों के अकांउट में भेज दिए जाते हैं, लेकिन कई बार दूसरे राज्यों में बैंक होने के चलते बैंक अधिकारी कोर्ट के ऑर्डर से पैसे जारी करते हैं, जिसमें पीड़ितों को पैसे मिलने में कुछ समय भी लग जाता है।

दिल्ली : महंगे शौक पूरे करने के लिए अपराधी बन गए प्रेमी युगल

नई दिल्ली । महंगे शौक पूरे करने के लिए एक प्रेमी युगल ने अपराधिक वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। लाजपत नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाली इस जोड़ी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि प्रेमी युगल बालीवुड फिल्म बंटी बबली की तर्ज पर रिहायशी इलाकों में घर खरीदने का बहाना बनाकर प्रापर्टी डीलर से संपर्क करते थे। घर देखने के दौरान पीड़ित की कार लेकर चंपत हो जाते थे। युवती के साथ होने के कारण कोई भी इन पर शक नहीं करता था। आरोपियों की पहचान आगरा के रहने वाले काशिम खान उर्फ आरव जैन और महक जैन के रूप में की गई है। आरोपियों से दो चोरी की कार बरामद की गई है। पुलिस उपायुक्त ईशा पांडेय ने बताया कि छह सितंबर को लाजपत नगर में प्रापर्टी डीलिंग करने वाले योगेश आहुजा ने कार लूट की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि एक युगल फ्लैट खरीदने के लिए उनके कार्यालय आए थे। जहां उन्होंने अपने ड्राइवर के साथ फ्लैट देखने के लिए भेज दिया। रास्ते में युवती ने असहज होने का बहाना बनाकर कार रुकवाई। ड्राइवर के उतरते ही दोनों कार लेकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने आरोपियों के मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू की जिसमें महक जैन का नंबर उत्तर प्रदेश में सक्रिय पाया गया। टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में बताया कि दोनों लिव इन रिलेशन में रहते हैं। अपने घूमने और महंगे शौक को पूरा करने के लिए वाहन चोरी करते थे और चोरी की कार बेच कर अपने खर्चे पूरे करते थे।

संपादकीय

बचाव की मुद्रा में नौजवान

साल 2018 में मैंने अपनी किताब के लिए आज के नौजवानों की आर्थिक आकांक्षाओं, उनके सामाजिक विचार और राजनीतिक नजरिये पर शोध करना शुरू किया। मेरा मकसद साफ था। मैं उन लोगों को समझना चाहता था, जिनको हमने बहुत ज्यादा नहीं सुना है। आखिर देश के छोटे कस्बों और शहरों में रहने वाले युवा भारत के भविष्य में अपनी जगह कहां देखते हैं? वाकई, अपने देश में काफी ज्यादा विविधता है और नौजवान भी इसके अपवाद नहीं हैं। हालांकि, भाषायी, सांस्कृतिक-धार्मिक और क्षेत्रीय आधार पर खासा अंतर होने के कारण इस पीढ़ी का एकजुट समूह के रूप में अध्ययन काफी मुश्किल हो सकता है, पर एक सामान्य सूत्र जो भारत के नौजवानों को एक करता है, वह है अपने भविष्य को लेकर उनकी चिंता।

अपनी पुस्तक लिखते समय मैंने 13 राज्यों में 900 से अधिक नौजवानों से बात की। मैंने बेशक उनमें परस्पर विरोधी विचार और अनुभव देखे, लेकिन जिस एक बात से मैं खासा प्रभावित हुआ और जिसने मेरे उत्तरदाताओं को एक-दूसरे से जोड़ा, वह बात है अपने आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक विकल्पों को लेकर महत्वाकांक्षी होते हुए भी वे इधर-उधर भागने के बजाय स्थिरता को तवज्जो देना चाहते हैं।

अच्छी तनख्वाह वाली निजी क्षेत्र की नौकरियों की कमी के कारण उनकी आर्थिक चिंता न सिर्फ उनकी अपनी सफलता की राह में बड़ी बाधा है, बल्कि देश के सुखद भविष्य के लिए भी ठीक नहीं है। बेरोजगार युवा पांच या दस ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की राह में राष्ट्र-निर्माता साबित नहीं होंगे। कोविड-19 से पहले देश में बेरोजगारी दर 45 साल के अपने उच्चतम स्तर पर थी, और हमने तकरीबन हरेक सप्ताह खबरों में देखा था कि किस तरह लाखों उच्च शिक्षित युवा रेलवे में चपरासी स्तर या सरकारी कार्यालयों में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए आवेदन कर रहे थे। इनमें से कई तो पीएचडी, एमबीए या बीटेक पास थे और उन पदों के लिए वे आवेदन कर रहे थे, जिनके लिए दसवीं पास आवेदकों की दरकार थी।

'सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज' (सीएसडीएस) के एक युवा सर्वे में हर तीन में से दो भारतीय नौजवानों ने रोजगार के लिहाज से सरकारी नौकरी को तवज्जो दी है। अपने शोध के दौरान मैं भी अनगिनत ऐसे नौजवानों से मिला, जिन्होंने अपने जीवन का अच्छा-खासा वक्त संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं या राज्य-स्तरीय प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी में खर्च किया है। कई तो जैसे-तैसे कोई भी सरकारी नौकरी हासिल करना चाहते थे, क्योंकि यह स्थिर और टिकाऊ होती है। जाहिर है, भारतीय अर्थव्यवस्था निजी क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित रोजगार पैदा नहीं कर रही है, और कई नौजवानों को टिकाऊ रोजगार की तलाश में सरकारी क्षेत्र की ओर मुंह तकने को मजबूर किया जा रहा है। 1991 के उदारीकरण ने एक मजबूत सेवा क्षेत्र का निर्माण जरूर किया है, लेकिन यह हर साल देश के श्रम-बल में शामिल होने वाले लाखों युवाओं का बहुत मामूली हिस्सा भी नहीं संभाल पा रहा।

आर्थिक निश्चिंतता न होने के कारण भारतीय युवा अपने निजी जीवन को स्थिर बनाना चाहते हैं। 21वीं सदी में भी 'अरेंज्ड मैरिज', यानी माता-पिता द्वारा तय शादी का एक मजबूत संस्था के रूप में बने रहना इसकी पुष्टि करता है। सीएसडीएस युवा सर्वे में पाया गया है कि 10 में से आठ से अधिक (84 फीसदी) विवाहित भारतीय युवाओं ने अरेंज्ड मैरिज की थी, जबकि प्रेम विवाह करने वालों की संख्या महज छह प्रतिशत थी। हिंदी फिल्में भले ही कुछ और कहानी बयां करें, लेकिन ज्यादातर भारतीय युवा खुद अपना जीवनसाथी नहीं तलाशते। इनमें से कुछ तो सामाजिक दबाव के कारण ऐसा नहीं करना चाहते, जबकि अधिकांश अच्छे वेतन व टिकाऊ रोजगार की कमी और आर्थिक अस्थिरता के कारण खुद को इतना सक्षम नहीं पाते कि प्यार की खोज कर सकें। स्थिरता की यह इच्छा अंततः ईवीएम में व्यक्त होती है। मतदान के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय नौजवान भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबसे अधिक समर्थन करते हैं। आर्थिकी को तवज्जो देने वालों को संभवतः यह बात गलत लगेगी, लेकिन सच यही है कि जो नेता ऐसे मजबूत भारत का वादा करते हैं, जो अपने दुश्मनों (आंतरिक और बाहरी) के खिलाफ मजबूती से खड़ा होगा, उसके छोटे शहरों और गांवों में चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती है।

साल 2019 का आम चुनाव इसको समझने का एक ज्वलंत उदाहरण है। यह बढ़ती बेरोजगारी और पाकिस्तान के साथ सीमा पर झड़प के बीच आयोजित किया गया था। युवा भारतीयों को यह बताने पर कि कौन उनको अच्छी सुरक्षा देगा और बाहरी दुनिया से बचाएगा, नौकरियों की कमी का मुद्दा कमजोर पड़ता गया। चुनाव बाद के सर्वे बताते हैं कि 18 से 35 आयु वर्ग के लगभग 40 फीसदी मतदाताओं ने भाजपा का साथ दिया, जो पार्टी के राष्ट्रीय वोट शेयर से लगभग चार अंक अधिक है। अपने साक्षात्कारों में मैंने पाया कि इनमें से कई युवा मतदाता मोदी के व्यक्तित्व से प्रभावित थे। उनके लिए वे पिता समान आदरसूचक शब्द बोल रहे थे, जो एक अस्थिर दुनिया में निजी तौर पर उनकी देखभाल करेंगे। वास्तविक आर्थिक तरक्की, जिसके जाहिर होने में कई साल लग जाते हैं, उतनी महत्वपूर्ण बात नहीं लग रही थी, जितनी स्थिरता की खोज। स्पष्ट है, भारतीय नौजवान अभी रक्षात्मक मुद्रा में हैं। वे एक ऐसी अर्थव्यवस्था में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं, जो पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं कर रही है, पर उनके रहन-सहन का खर्च लगातार बढ़ा रही है। नतीजतन, वे 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था और विश्व व्यवस्था का फायदा उठाने के बजाय बैकफुट पर लड़ रहे हैं। यह एक दुश्चक्र है, जहां युवाओं का कीमती समय अधिकतम क्षमता व भविष्य का फायदा उठाने के बजाय बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में जाया हो रहा है। यदि यही स्थितियां बनी रहीं, तो भारत के लिए अपनी युवा जनसांख्यिकी, जिसे जनसांख्यिकीय लाभांश भी कहा जाता है, का फायदा उठाना और पांच से दस ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना कठिन हो जाएगा। आर्थिक अनिश्चितता का असर व्यापक हो गया है, जो एक पूरी पीढ़ी के विकास और उसकी क्षमता को प्रभावित कर सकती है। हमें ऐसा नहीं होने देना चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

लगातार बढ़ रहीं संसद सहित विधानसभाओं में मारपीट की घटनाएं, कठोरता से ही आएगी सदन में शांति

> आज के विपक्षी दल उन भाजपा नेताओं के कथन को उद्धृत करके सदन में अक्सर अशोभनीय दृश्य उपस्थित करते रहते हैं। वैसे तो आपकी उद्दंडता मेरी उद्दंडता की वजह नहीं हो सकती। फिर भी इस खास परिस्थिति में भाजपा का मौजूदा नेतृत्व एक कदम उठा सकता है। भाजपा अपने विधायकों को यह सख्त निर्देश दे कि वे सदन में आचार संहिता का पूरी तरह पालन करें, जहां वे विपक्ष में हैं। इससे आम लोगों में भाजपा के प्रति बेहतर राय बनेगी। साथ ही भाजपा को उन सदनों में भी कड़ाई से आचार संहिता लागू करवाने का नैतिक अधिकार मिल जाएगा, जहां भाजपा या राजग बहुमत में है।

राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने मतदाताओं से अपील की है कि 'आप हंगामा करने वाले जनप्रतिनिधियों की पहचान कर उन्हें सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करें। सदन को बाधित करने का अर्थ है देश के सपने और लोगों के जीवन को बाधित करना।' हाल में लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने भी एक अन्य अवसर पर कहा कि 'सदन हंगामा और अड़ंगा लगाने के लिए नहीं है, बल्कि चर्चा के लिए है।' देश के इन शीर्ष पीठासीन पदाधिकारियों ने संसद से बाहर के अलग-अलग समारोहों में ऐसी बातें बड़ी पीड़ा के साथ देश के सामने रखी हैं। वे यह अनुमान लगा रहे हैं कि संसद सहित विधानसभाओं में यदि ऐसे ही सब कुछ चलता रहा तो नई पीढ़ी संसदीय व्यवस्था पर अपना विश्वास खोने लगेगी। वेंकैया नायडू और ओम बिरला की बातों पर हर लोकतंत्र प्रेमी को गंभीरतापूर्वक विचार करना ही होगा। अन्यथा एक दिन पछताने के लिए भी लोकतंत्र के नाम पर संभवतः कुछ नहीं बचे। वर्ष 2001 में नई दिल्ली में देशभर के तत्कालीन पीठासीन पदाधिकारियों का एक सम्मेलन हुआ था। उसमें कई मुख्यमंत्री और दलीय नेतागण भी शामिल हुए थे। सम्मेलन में पारितकुछ संकल्प इस समस्या से निपटने की राह दिखाते हैं। 'भय बिनु होइ न प्रीति' का फार्मूला अपनाते हुए वेंकैया नायडू और ओम बिरला को उन संकल्पों के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहिए। अन्यथा देर-सवेर यह माना जा सकता है कि पीठासीन पदाधिकारी गण उन जिम्मेदारियों को नहीं निभा पाए, जो उनको बीस साल पहले ही सौंप दी गई थीं। संबंधित सरकारों को भी इस काम में पीठासीन पदाधिकारियों का सहयोग करना चाहिए। संदन में हंगामा, कामकाज में अड़ंगा और दूसरी तरह के अशिष्ट एवं हिंसक व्यवहार करने वाले सदस्यों के खिलाफ विभिन्न तरह की सजाओं का प्रविधान किया गया है। ये हैं-भर्त्सना, फटकार, निंदा, सभा से निकालना, खास अवधि के लिए सभा की सेवा से निलंबन और कोई अन्य दंड, जो सभा द्वारा उचित समझा जाए।

किसी अन्य दंड में सदन की शेष अवधि के लिए सदस्यता खत्म कर देना भी शामिल है। ये दंड वैसे हैं, जो विधायिका की आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में सदस्यों के लिए निर्धारित हैं। इस देश में इनका इस्तेमाल बहुत ही कम होने के कारण भी सदनों में हंगामा बढ़ता जा रहा है। साथ ही हिंसक व्यवहार भी। पता नहीं कल हिंसक व्यवहार कौन-सा रूप ले ले! बदलती राजनीति और राजनीति में बढ़ते आपसी द्वेष को देखते हुए कहा जा सकता है कि फिलहाल अनेक सदस्यों का विवेक कभी जगनेवाला नहीं है। गत वर्ष राज्यसभा में उपसभापति के साथ कुछ सदस्यों द्वारा किए गए अभूतपूर्व दुर्व्यवहार से न सिर्फ सदन, बल्कि पूरे देश के विवेकशील लोगों को पीड़ा हुई। तब कुछ उद्दंड सदस्यों ने अत्यंत शर्मनाक दृश्य पैदा किए थे। ऐसी घटनाएं देश के विभिन्न सदनों में आए दिन होती रहती हैं। गत साल कर्नाटक विधानपरिषद के उपसभापति को कुछ सदस्यों ने मिलकर उनके आसन से जबरन उठाया और दूर कर दिया। बाद में उनका शव रेलवे लाइन पर पाया गया। केरल विधानसभा में 2015 में हुई हिंसक घटना को लेकर आपराधिक मुकदमा दर्ज किया गया है। उस मुकदमे की समाप्ति के लिए आरोपी पक्ष सुप्रीम कोर्ट तक गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'बर्बरता और तोड़फोड़ किसी के संसदीय विशेषाधिकार में शामिल नहीं हैं।

संसदीय विशेषाधिकार आपको सदन के सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए हैं। किसी सामान्य कानून से आप ऊपर नहीं हैं।' केरल विधानसभा के भीतर हुई उस घटना से संबंधित मुकदमे में यदि कोर्ट से सजा हो गई तो पीठासीन पदाधिकारियों को भी सदन में शांति बनाए रखने में सुविधा होगी, क्योंकि तब सदन के भीतर आए दिन हो रही हाथापाई के खिलाफ मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। वीडियो सुबूत बनेंगे। विभाजित राजनीति में गवाह भी आसानी से मिल जाएंगे।

वर्ष 1997 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में तो जो कुछ हुआ, वह अभूतपूर्व था। विधायकों के बीच देर तक जमकर मारपीट हुई। धक्का-मुक्की हुई। माइक उखाड़कर एक-दूसरे पर फेंके गए। कुछ सदस्य सीट के नीचे छिपकर बचे। अपने आसन पर बैठे तत्कालीन स्पीकर केसरीनाथ त्रिपाठी के आगे सुरक्षाकर्मी लकड़ी की तख्ती लेकर खड़े हो गए। तत्कालीन मुख्यमंत्री को सुरक्षाकर्मियों ने अपने घेरे में ले लिया। इतने अधिक विधायक आपसी मारपीट में संलग्न थे कि सुरक्षाकर्मी कम पड़ गए। कलराज मिश्र सहित कुछ सदस्यों को पट्टियां बंधवानी पड़ीं। यदि उस मामले में आपराधिक मुकदमे दर्ज हुए होते तो कुछ सदस्यों पर जान मारने के प्रयास की धारा भी लगती।

आश्चर्य है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा की उस शर्मनाक घटना के कुछ ही महीने पहले संसद में भ्रष्टाचार एवं राजनीति के अपराधीकरण पर छह दिनों तक करीब 65 घंटे की ऐतिहासिक चर्चा हुई थी। इतनी लंबी चर्चा की जरूरत इसलिए पड़ी थी, क्योंकि उससे ठीक पहले बिहार के दो बाहुबली लोकसभा सदस्यों ने सदन के भीतर हाथापाई कर ली थी। देखा जाए तो अब भी कुछ नहीं बदला है। सदन के भीतर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए बिना कुछ बदलने वाला नहीं है।

इन दिनों तो सदन के अंदर गाली-गलौज और मारपीट आम बात है। हाल के महीनों में बिहार विधानसभा के भीतर और बाहर जिस तरह के अशोभनीय दृश्य पैदा हुए, उससे राज्य और राजनीति दोनों की छवि खराब हुई। मनमोहन सिंह के शासनकाल में कुछ प्रमुख भाजपा नेताओं ने कहा था कि सदन को नहीं चलने देना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। आज के विपक्षी दल उन भाजपा नेताओं के कथन को उद्धृत करके सदन में अक्सर अशोभनीय दृश्य उपस्थित करते रहते हैं। वैसे तो आपकी उद्दंडता मेरी उद्दंडता की वजह नहीं हो सकती। फिर भी इस खास परिस्थिति में भाजपा का मौजूदा नेतृत्व एक कदम उठा सकता है। भाजपा अपने विधायकों को यह सख्त निर्देश दे कि वे सदन में आचार संहिता का पूरी तरह पालन करें, जहां वे विपक्ष में हैं। इससे आम लोगों में भाजपा के प्रति बेहतर राय बनेगी। साथ ही भाजपा को उन सदनों में भी कड़ाई से आचार संहिता लागू करवाने का नैतिक अधिकार मिल जाएगा, जहां भाजपा या राजग बहुमत में है।

खुले में नमाज के नाम पर साइबर सिटी का माहौल कौन खराब कर रहा ?

गुरुगांव के सेक्टर 47 इलाके में खाली जगह पर नमाज पढ़ने का मामला गहराता जा रहा है. स्थानीय लोगों के विरोध के साथ-साथ अब विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और करणी सेना सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने भी इसका विरोध करना शुरू कर दिया है. बीते शुक्रवार को भी खुले में नमाज पढ़ने को लेकर जब लोगों ने आपत्ति जताई तो गुड़गांव पुलिस की देखरेख में नमाज के लिए चिन्हित स्थल से डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर नमाज अदा किया गया. दरअसल शुक्रवार को दोपहर के 1 बजे सेक्टर 47 के 30 से 35 निवासी, 'खुली जगहों में नमाज बंद करो' और 'मस्जिदों में नमाज पढ़ो' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए सेक्टर 47 के विजिलेंस ब्यूरो ऑफिस के सामने वाले मैदान में इकट्ठा होने लगे. इन तमाम लोगों ने वहीं बैठ कर भजन कीर्तन शुरू कर दिया. हालांकि प्रदर्शनकारी नमाज वाली जगह पर जाकर भजन कीर्तन करना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें वहां जाने से रोक दिया. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मुसलमानों को अपने घरों, मस्जिदों या वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर नमाज अदा करनी चाहिए. सड़कों को अवरुद्ध करना सही नहीं है.

इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के मुताबिक, सेक्टर 47 के निवासियों को अपनी सुरक्षा से संबंधित चिंताएं हैं. निवासियों का कहना है कि पहले सिर्फ इस जगह पर 20 लोग ही नमाज अदा करते थे. लेकिन अब देखते देखते इनकी संख्या 200 तक पहुंच गई है. उनका कहना है कि वह नहीं जानते कि यह बाहरी लोग कौन हैं. इसके साथ ही अब धीरे-धीरे इस इलाके में छोटे-मोटे अपराध भी बढ़ रहे हैं और इन 200 लोगों की वजह से इलाके में भीड़-भाड़ भी बहुत ज्यादा बढ़ रही. सेक्टर 47 के निवासियों का कहना है कि जब तक उनके इस मुसीबत का हल नहीं निकाला जाता तब तक वह शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराते रहेंगे.

सेक्टर 47 के निवासियों का मानना है कि यह सब कुछ एक अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत किया जा रहा है. यहां मौजूद 200 लोग जो नमाज अदा करते हैं वह लव जिहाद और भूमि जिहाद की साजिश के तहत यहां नमाज अदा कर रहे हैं. उनका मानना है कि अगर वह आवाज नहीं उठाएंगे तो कल को यह लोग यहां मस्जिद बना देंगे. हालांकि यहां खुले में नमाज पढ़ने को लेकर यह मामला आज से नहीं बल्कि 2018 से चला आ रहा है. उस वक्त दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों को एक साथ बैठा कर प्रशासन ने बातचीत से इस मुद्दे का हल निकाला था और सेक्टर 47 की साइट 37 को नमाज के लिए चिन्हित किया था. हालांकि नमाज के विरोध में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों का मानना है कि यह अनुमति स्थाई नहीं थी. बल्कि केवल 1 दिन के लिए यह अनुमति दी गई थी.

दरअसल मुस्लिम समुदाय का सेक्टर 47 में खुले में नमाज पढ़ने को लेकर जो तर्क है वह यह है कि उनके पास नमाज अदा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है. उनका कहना है कि शहर में लगभग 5 लाख से अधिक मुसलमान हैं और मस्जिदों की संख्या केवल 13 है. ऐसे में उन्हें मजबूरी में खुले में अल्लाह की इबादत करनी पड़ती है. इस समुदाय का कहना है कि हम केवल 15 मिनट ही यहां नमाज अदा करते हैं इसलिए हम यहां के नागरिकों से अपील करते हैं कि वह उन्हें शांति से यहां नमाज अदा करने दें. जबकि प्रदर्शन कर रहे निवासियों का कहना है कि अगर कोई जगह नमाज अदा करने के लिए निर्धारित की गई है तो सबसे पहले वहां के आसपास के क्षेत्र के निवासियों से इसकी परामर्श ली जानी चाहिए थी. लेकिन यह जगह नमाज के लिए देने से पहले उनसे एक बार भी सलाह मशविरा नहीं किया गया और जहां तक रही बात 2018 की तो उस समय भी केवल 1 दिन के लिए अनुमति दी गई थी और उसके बारे में भी लिखित में कुछ भी नहीं है. इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के मुताबिक पूर्व राज्यसभा सांसद मोहम्मद अदीब ने इस मामले पर नाराजगी जताई है और कहा कि मुझे यह देखकर दुख हो रहा है. यह किस-किस का मुल्क बन गया है. यह कैसा देश बन गया है. जहां लोगों को इबादत करने की इजाजत नहीं दी जा रही है. जो कि उनका संवैधानिक अधिकार है. जो लोग इबादत करने का विरोध कर रहे हैं उन्हें अपने इस तरह के व्यवहार पर शर्म आनी चाहिए. दूसरी ओर बीजेपी नेता अरुण यादव का कहना है कि प्रशासन को नमाज के लिए दूसरी जगह आवंटित करना चाहिए. नमाज के लिए यहां इकट्ठा होने वाले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. सेक्टर 47 के आसपास के लोगों में सुरक्षा को लेकर आशंकित हो गए हैं. कुछ दिन पहले इस एरिया में कुछ अत्याधुनिक हथियार पकड़े जाने की भी खबर है. यादव का कहना है कि नमाज के लिए वक्फ बोर्ड की तमाम जमीन शहर में पड़ी हुई हैं उसका इस्तेमाल इस पाक काम के लिए क्यों नहीं हो रहा है? इस मसले पर राज्य के वक्फ बोर्ड के चेयरमैन पूर्व विधायक जाकिर हुसैन से बात करने की टीवी 9 भारतवर्ष डिजिटल ने बात करने की कोशिश की पर सफलता नहीं मिली. उन्हें व्हाट्एेप भी किया पर कोई जवाब नहीं मिल सका.गुरुग्राम में पिछले कई सालों से ऐसी गतिविधियां सुनने को मिल रही हैं जिनसे लगता है शहर के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश हो रही है. 2018 से ही खुले में नमाज पढ़ने को लेकर यहां पर कई बात माहौल को खराब करने की कोशिश होती रही है. इसके अलावा गौ रक्षकों और गौ तस्करों के बीच होने वाली भिड़ंत हो या हिंदुओं के त्योहारों के दौरान जबरन मीट विक्रेताओं की दुकाने बंद कराने का मामला रहा हो शहर की आबोहवा बिगड़ते-

संभलती हुई इकॉनमी

चौतरफा चुनौतियों से जूझकर उबरती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मंगलवार को यह राहत देने वाली खबर आई कि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने इसका सॉवरेन आउटलुक नेगेटिव से स्टेबल कर दिया है। एजेंसी ने हालांकि सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में कोई बदलाव न करते हुए पहले वाला बीएए3 दर्जा ही बरकरार रखा है, जो सबसे निचला इनवेस्टमेंट ग्रेड है। सॉवरेन आउटलुक में बदलाव उन प्रयासों और उनसे मिल रहे पॉजिटिव नतीजों को देखते हुए किया गया है, जिनसे गुजरती भारतीय अर्थव्यवस्था ने तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़कर फिर से उठ खड़े होने का जज्बा दिखाया है।

रेटिंग एजेंसी के आकलन में वित्तीय क्षेत्र की बेहतर होती स्थिति को तो रेखांकित किया ही गया है, यह भी कहा गया है कि इकॉनमी के तमाम सेक्टर्स में रिकवरी की रफ्तार उससे तेज रही, जितनी अपेक्षा की जा रही थी। इसी वजह से यह उम्मीद भी जताई गई है कि वास्तविक जीडीपी इसी साल महामारी के पहले के स्तर को पार कर जाएगी। गौर करने की बात है कि इन पॉजिटिव बदलावों के पीछे उन कुछेक ठोस कदमों की बड़ी भूमिका रही, जो वित्तीय तंत्र की कमियों को दूर करने के मकसद से इस बीच उठाए गए। उदाहरण के लिए बैंकों पर बढ़ता एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) का बोझ पिछले कई वर्षों से एक बड़ी समस्या के रूप में चिह्नित किया जाता रहा है।

अब अगर इस मोर्चे पर भी हालात को बेहतर होता बताया जा रहा है तो उसके पीछे एक वजह यह भी है कि नए कानूनों की मदद से वित्तीय व्यवस्था मजबूत हुई है और कर्ज भी पहले की तुलना में कहीं आसानी से मिल रहा है। हालांकि सरकारी खजाने पर दबाव की समस्या बनी हुई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि जैसे-जैसे आर्थिक माहौल बेहतर होगा, सरकार के लिए वित्तीय घाटा कम करने वाले कदम उठाने की गुंजाइश बढ़ेगी और हालात काबू में आते जाएंगे। जोखिम का एक बड़ा स्रोत कोरोना वायरस का संक्रमण भी रहा है। इसकी दूसरी लहर ने उठती हुई अर्थव्यवस्था को एक बार फिर पीछे धकेल दिया था।

मगर उसके बाद टीकाकरण की तेज मुहिम की बदौलत तीसरी लहर की आशंका काफी कम करने में कामयाबी मिली है। माना जा रहा है कि तीसरी लहर आई भी तो उसका स्वरूप वैसा विनाशकारी नहीं होगा, जैसा कोरोना की दूसरी लहर का था।

इस विश्वास ने आर्थिक रिकवरी को रफ्तार देने में अहम भूमिका निभाई है। बहरहाल, हमें ध्यान रखना होगा कि न तो कोरोना के खतरे का पूरी तरह खात्मा हुआ है और न ही इकॉनमी पूरी तरह उबरी है। जैसे टीकाकरण की रफ्तार बनाए रखनी है, वैसे ही इकॉनमी के मोर्चे पर भी लगातार प्रयास जारी रखने होंगे। सबसे बड़ी चुनौती अब भी रोजगार के अधिक से अधिक मौके उपलब्ध कराने की है ताकि मांग बढ़े और इकॉनमी का चक्का रफ्तार पकड़े।

किसानों की बदहाली तभी दूर होगी, जब वे बाजार अर्थव्यवस्था से जुड़ेंगे

> इस फंड से कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, ग्रेडिंग और पैकेजिंग इकाइयां लगाने के लिए लोन दिया जा रहा है। इससे गांवों में निजी निवेश आएगा और नौकरियों का सृजन होगा। समग्रतः मोदी सरकार नए कृषि कानूनों के जरिये किसानों की बदहाली दूर करने और उन्हें मजदूर बनने से रोकने का कारगर उपाय कर रही है। यह काम तभी होगा जब किसान बाजार अर्थव्यवस्था से जुड़ें और अपनी उपज घरेलू एवं वैश्विक कृषि बाजारों में बेचें। दुर्भाग्यवश एक देश-एक मंडी की मांग करने वाले किसान संगठन और 2019 के अपने चुनावी घोषणा पत्र में कृषि उपज के व्यापार पर लगे सभी प्रतिबंधों को समाप्त करने का वादा करने वाली कांग्रेस पार्टी नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं।

आजादी के बाद खेती-किसानी को देश का आत्मा मानते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 'सब कुछ इंतजार कर सकता है, लेकिन खेती नहीं।' दुर्भाग्यवश लोकलुभावन नीतियों और वोट बैंक की राजनीति के कारण खेती का इंतजार खत्म नहीं हुआ और वह बदहाली का शिकार बनती गई। आज स्थिति यहां तक आ गई है कि ग्रामीण मजदूरों की आमदनी किसानों से ज्यादा हो गई है। 2012-13 में एक औसत भारतीय किसान परिवार की खेती से होने वाली मासिक आमदनी 3,081 रुपये थी। छह साल बाद अर्थात 2018-19 में यह बढ़कर महज 3,798 रुपये पर पहुंची। दूसरी ओर इन छह वर्षों में मजदूरी से होने वाली कमाई 2,071 रुपये से बढ़कर 4,063 रुपये हो गई। पुराने कृषि कानूनों की ही देन है कि अब किसानों से ज्यादा मजदूरों की संख्या बढ़ रही है।

उदाहरण के लिए 2013 से 2019 के बीच खेती करने वाले परिवारों की संख्या जहां नौ करोड़ से बढ़कर 9.3 करोड़ हुई, वहीं कृषि कार्य में शामिल नहीं होने वाले परिवारों की संख्या 6.6 करोड़ से बढ़कर आठ करोड़ पर पहुंच गई। 2011 की जनगणना में भी बताया गया है कि हर रोज 2,000 किसान खेती छोड़ रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि पारिवारिक बंटवारे से खेतों का आकार इतना छोटा हो गया है कि उनमें खेती लाभकर नहीं रह गई है। खेती के घाटे का सौदा बनने का ही नतीजा है कि किसान का बेटा खेती करने का इच्छुक नहीं है। इतना ही नहीं कृषि विश्वविद्यालयों से स्नातक करने वाले अधिकांश छात्र अन्य व्यवसायों में जा रहे हैं।

एक ओर किसानों की आमदनी में ठहराव आया है तो दूसरी ओर उनके ऊपर कर्ज का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। उदाहरण के लिए 2012-13 में एक औसत किसान परिवार पर 47,000 रुपये का कर्ज था, जो कि 2018-19 में बढ़कर 74,121 रुपये हो गया। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ओर किसानों की हालत मजदूरों से भी बदतर होती जा रही है तो दूसरी ओर कृषि उपजों के कारोबार में लगी कंपनियों का मुनाफा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। इसका कारण है कि जब किसान की उपज बाजार में आती है तब उसके दाम गिर जाते हैं और बाद में कई गुना बढ़ जाते हैं। स्पष्ट है भारतीय किसानों की बदहाली की एक बड़ी वजह यह है कि उनकी उपज की वाजिब कीमत नहीं मिलती। इसका कारण है हर स्तर पर बिचौलियों का प्रभुत्व। इनको हटाकर उत्पादकों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने की मुहिम में मोदी सरकार जुटी है। इस दिशा में कारगर कदम है इलेक्ट्रानिक मंडी (ई-नाम) और किसान रेल का संचालन।

इस साल गुजरात में आलू की बंपर पैदावार हुई। स्थानीय स्तर पर किसानों को आलू बेचने में समस्या खड़ी हो गई। ऐसे में गुजरात सरकार ने रेलवे की मदद ली और 50 प्रतिशत छूट पर 248 टन आलू हिम्मतनगर से बिहार के मोतिहारी भेजा गया, जहां आलू की अच्छी कीमत मिली। इसी तरह महाराष्ट्र से प्याज बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों को भेजी जा रही है। किसान रेल की विशेषता है कि इसमें किसानों के उत्पाद खराब नहीं होते और कम लागत में जल्दी पहुंच जाते हैं। किसान रेल का बड़ा लाभ यह हुआ कि किसान गेहूं-धान के बजाय फलों एवं सब्जियों की खेती को प्राथमिकता देने लगे हैं।

उल्लेखनीय है कि देश के 8.5 फीसद फसली क्षेत्र पर बागवानी फसलों की खेती की जाती है, लेकिन इनसे कृषिगत सकल घरेलू उत्पाद का 30 फीसद प्राप्त होता है। फलों एवं सब्जियों की खेती अन्य फसलों के मुकाबले चार से दस गुना ज्यादा रिटर्न देती है। शहरीकरण, मध्यवर्ग का विस्तार, बढ़ती आमदनी, खान-पान की आदतों में बदलाव के चलते दुनिया में अनाज के बजाय फलों-सब्जियों की मांग में तेजी से इजाफा हो रहा है। प्रति व्यक्ति आय में एक फीसद की बढ़ोतरी से सब्जी की खपत 1.02 फीसद और फलों की 1.9 फीसद बढ़ जाती है। स्पष्ट है आने वाले वर्षों में फल एवं सब्जी की खपत में तेजी से इजाफा होना तय है, पर समस्या यह है कि चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फल एवं सब्जी उत्पादक होने के बावजूद भारत इस बाजार में भरपूर हिस्सेदारी नहीं बना पाया है। भारत विश्व का 12.6 फीसद फल एवं 14 फीसद सब्जी उत्पादित करता है, लेकिन फलों एवं सब्जियों के कुल वैश्विक बाजार में उसकी हिस्सेदारी महज 0.5 एवं 1.7 फीसद ही है।

इसी को देखते हुए मोदी सरकार फलों-सब्जियों की खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए सरकार कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) बना रही है। 2020 में शुरू हुई इस योजना के तहत अगले तीन साल में देश भर में 10,000 एफपीओ बनाने का लक्ष्य है। हर एक एफपीओ में 50 प्रतिशत छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसान शामिल होंगे। इसके अलावा प्रत्येक एफपीओ के उसके काम के अनुरूप 15 लाख रुपये का अनुदान भी दिया जाएगा। दूसरे शब्दों में किसानों को उद्यमी बनाने का प्रयास है एफपीओ। गांवों में कृषि से जुड़े आधारभूत ढांचा निर्माण के लिए मोदी सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये के कोष का गठन किया है। इस फंड से कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, ग्रेडिंग और पैकेजिंग इकाइयां लगाने के लिए लोन दिया जा रहा है। इससे गांवों में निजी निवेश आएगा और नौकरियों का सृजन होगा।

समग्रतः मोदी सरकार नए कृषि कानूनों के जरिये किसानों की बदहाली दूर करने और उन्हें मजदूर बनने से रोकने का कारगर उपाय कर रही है। यह काम तभी होगा जब किसान बाजार अर्थव्यवस्था से जुड़ें और अपनी उपज घरेलू एवं वैश्विक कृषि बाजारों में बेचें। दुर्भाग्यवश एक देश-एक मंडी की मांग करने वाले किसान संगठन और 2019 के अपने चुनावी घोषणा पत्र में कृषि उपज के व्यापार पर लगे सभी प्रतिबंधों को समाप्त करने का वादा करने वाली कांग्रेस पार्टी नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में अंतिम अरदास में किसान नेताओं ने प्रियंका गांधी को मंच से संबोधन करने से रोका

लखनऊ । लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में मृत चार किसानों की अंतिम अरदास मंगलवार को शुरू हो गई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रियंका गांधी को अपना मंच देने से इन्कार किया, हालांकि मोर्चे ने प्रियंका गांधी का और उनकी पार्टी का आभार जताया। किसान नेताओं ने इसके साथ ही चेतावनी भी दी है कि वह राजनेताओं को अपना मंच साझा नहीं करने देंगे। वहां पर टकराव की आशंका में भारी पुलिस बल सोमवार रात से एकत्र है।

लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में तीन अक्टूबर को हिंसा में मृत किसानों की अंतिम अरदास में किसानों ने कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव वाड्रा को वहां मौजूद किसान नेताओं ने मंच से संबोधन करने के रोक दिया। लखीमपुर खीरी में हिंसा में चार किसानों की मृत्यु के बाद मंगलवार को तिकुनिया में अंतिम अरदास में मंच पर किसान नेता राकेश टिकैत के साथ अन्य किसान थे। इस दौरान कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा ने आम लोगों के बीच में बैठकर अरदास की। उन्होंने जब इसके बाद मंच से किसानों को संबोधित करने की इच्छा जताई तो किसान नेताओं ने साफ इन्कार कर दिया। इससे पहले प्रियंका गांधी ने चारों किसानों को श्रद्धांजलि भी दी।

लखीमपुर खीरी में हिंसा में चार किसानों की मृत्यु के बाद मंगलवार को तिकुनिया में अंतिम अरदास में मंच पर किसान नेता राकेश टिकैत के साथ अन्य किसान थे। इस दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आम लोगों के बीच में बैठकर अरदास की। उन्होंने इससे पहले चारों किसानों को श्रद्धांजलि भी दी।

लखीमपुर खीरी में मंगलवार की सुबह कड़ी सुरक्षा में किसानों की अंतिम अरदास शुरू हो गई। हजारों की संख्या में किसानों का आना भी शुरू हो गया। संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित की गई इस अंतिम अरदास में मंच पर दीवान हाल सजाया गया और दिवंगत किसानों की आत्मा की शांति के पाठ व प्रार्थना की गई। लखीमपुर खीरी कांड में मारे गए किसानों के परिवारीजन भी इस अंतिम अरदास में मौजूद रहे।

तिकुनिया में आयोजित इस अंतिम अरदास कार्यक्रम का संचालन संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी डा. दर्शनपाल सिंह कर रहे हैं। एक तरफ जहां किसान नेता उस घटना पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर रहे थे वहीं दूसरी ओर अटूट लंगर का आयोजन भी चल रहा है। मंच से किसानों नेताओं ने एक बार फिर सरकार को आगाह किया कि तीन अक्टूबर को हुई घटना लोमहर्षक है और इसके सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए बिना संयुक्त मोर्चा मानने वाला नहीं है। किसान नेताओं ने ये भी कहा कि केंद्रीय मंत्री के बेटे को तो गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन, अभी केंद्रीय मंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जबकि किसानों की मांगों में यह दोनों मांगे प्रमुख रूप से शामिल की गई

थी।

मंत्री के बेटे की रेड कार्पेट गिरफ्तारी- टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने इस दौरान साफ कहा कि यह अरदास मृत किसानों की आत्मा की शांति के लिए रखी गई है। इसे राजनीति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। टिकैत ने कहा कि किसान अपनी मांग पर कायम हैं कि केन्द्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी को पद से बर्खास्त किया जाए। बिना उनकी बर्खास्तगी के उनके पुत्र के खिलाफ जांच सही से नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा की गिरफ्तारी एक रेड कार्पेट गिरफ्तारी है। अगर मंत्री को तुरंत नहीं हटाया जाता है तो यह आंदोलन ऐसे ही चलता रहेगा। टिकैत ने कहा कि हम आतंकी हमले में शहीद जवानों के घर भी जाएंगे। किसानों के-साथ-साथ सभी को जवानों के घर भी जाना चाहिए और हम पहले भी जाते रहे हैं। जवान भी किसानों के ही बेटे हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को नई दिल्ली से लखनऊ के एयरपोर्ट पर उतरने के बाद सड़क मार्ग से सीतापुर होते हुए लखीमपुर खीरी पहुंची । उनके साथ वाहनों के बड़े काफिला के कुछ वाहनों को सीतापुर में ही रोका गया। उनके साथ गाड़ी में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू तथा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा हैं। इनके साथ ही राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, लखीमपुर से डॉ रवि शंकर त्रिवेदी, प्रदेश सचिव गुरमीत सिंह भुल्लर, सिद्धार्थ त्रिवेदी, संजय गोस्वामी व रामपाल शाक्य भी तिकुनियां जा रहे हैं। वह लखीमपुर खीरी के साथ ही बहराइच जाकर मृत किसानों के परिवार के लोगों से भी मिली और रविवार को वाराणसी में किसान न्याय रैली की।

लखीमपुर खीरी की हिंसा में मृत चार किसानों की तिकुनिया में आज अंतिम अरदास होगी। संयुक्त किसान मोर्चा के साथ ही भारतीय किसान यूनियन ने इसमें किसी भी राजनेता को मंच साझा करने की अनुमति नहीं दी है। मंगलवार को होने वाली अंतिम अरदास के पहले भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने यह बयान जारी किया है। तिकुनिया गांव में जहां हिंसा हुई थी, वहां से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर एक मैदान में अंतिम अरदास की तैयारी पूरी कर ली गई है। देर शाम भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत भी लखीमपुर पहुंच गए हैं। अन्य राज्यों से भी किसान पहुंच रहे हैं। राकेश टिकैत के साथ भाकियू टिकैत के कई वरिष्ठ नेता भी किसानों की अंतिम अरदास में शामिल होने के लिए उनके साथ पहुंचे। यहां मंगलवार को होने वाले किसानों की अंतिम अरदास में हिस्सा लेंगे। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ देश के अन्य राज्यों के विभिन्न कृषि संघों के किसान और नेता तिकुनिया में अरदास और भोग कार्यक्रम में भाग लेंगे। सभी अंतिम अरदास में शामिल होकर खीरी कांड में मारे गए किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। भाकियू नेता राकेश टिकैत स्वयं कार्यक्रम की व्यवस्था संभाल रहे हैं।

किसान नेताओं का स्पष्ट कहना है कि अंतिम अरदास में किसी भी राजनीतिक नेता को मंच साझा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहां संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेता मौजूद होंगे। एसकेएम किसान संघों का एकछत्र संगठन है और यह तीन कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध का नेतृत्व कर रहा है। जो पिछले वर्ष से लागू है। किसान संघों ने कहा था कि लखीमपुर खीरी हिंसा को लेकर अगर सरकार 11 अक्टूबर तक उनकी मांगों को नहीं मानती है तो वह मारे गए चारों किसानों की अस्थियों के साथ लखीमपुर खीरी से शहीद किसान यात्रा निकालेंगे। टिकैत ने मांग की थी कि इस जघन्य कांड के लिए मुख्य आरोपित केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्र को गिरफ्तार किया जाए और केंद्रीय मंत्री को उनके पद से बर्खास्त किया जाए। इसके साथ संयुक्त किसान मोर्चा ने 18 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक पूरे देश में रेल रोको विरोध और 26 अक्टूबर को लखनऊ में एक महापंचायत का आह्वान किया है।

संक्षिप्त खबर

कांग्रेस को एक और झटका, शिवपाल सिंह यादव के रथ पर आचार्य प्रमोद कृष्णम सवार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को पुराना मुकाम दिलाने में जी-जान से जुटीं प्रियंका गांधी वाड्रा की मेहनत का कोई खास असर दिख नहीं रहा है। कांग्रेस के पूर्व सांसद राजाराम पाल के सोमवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से भेंट ती को मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शिवपाल सिंह यादव के रथ की सवारी कर ली है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को लगातार झटके लग रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता नेता और लखनऊ से लोकसभा चुनाव लड़ चुके प्रमोद कृष्णम मंगलवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव की सामाजिक परिवर्तन यात्रा के रथ पर सवार हो गए हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में शिवपाल सिंह यादव के अपनी पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अकेले चुनाव लडने् की घोषणा का बड़ा असर होने लगा है। भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा के वृंदावन में शिवपाल सिंह यादव की सामाजिक परिवर्तन यात्रा के रथ पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम सवार हो गए हैं। माना जा रहा है कि आचार्य प्रमोद कृष्णम विधानसभा चुनाव में शिवपाल सिंह यादव की पार्टी के प्रत्याशी भी हो सकते हैं। इससे पहले आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शिवपाल सिंह यादव से मंगलवार को मथुरा में मुलाकात की। इस दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शिवपाल सिंह यादव को एक गदा भेंट किया। इसके बाद वह शिवपाल सिंह यादव के सामाजिक परिवर्तन रथ पर सवार हो गए।

बिहार पुलिस के 387 दरोगा अकादमी की परीक्षा में फेल, पासिंग आउट परेड के बाद फील्ड में कर रहे ड्यूटी

पटना। बिहार पुलिस अकादमी से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां आतंरिक परीक्षा में 387 दरोगा फेल कर गए हैं। पासिंग आउट परेड के बाद ये सभी बिहार के विभिन्न जिलों में सेवा दे रहे हैं। हैरानी की बात है कि इन में से कई ऐसे हैं, जिन्हें निदेशक की मूल्यांकन परीक्षा में शून्य अंक प्राप्त हुए हैं। फेल दरोगा को पास करने के लिए दो और मौके मिलेंगे। यदि वे दो और मौकों में भी फेल हो गए तो उनकी नौकरी चली जाएगी। परीक्षा में फेल सभी दरोगा वर्तमान में प्रोबेशन पीरियड में हैं।

पास होने के लिए 50 फीसद अंक लाना अनिवार्य- बताते चलें कि सभी 2018 बैच के सब-इंस्पेक्टर हैं। इस बैच में 1581 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। 26 अगस्त को राजगीर स्थित बिहार पुलिस अकादमी में पासिंग आउट परेड हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थिति थे। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को प्रोबेशन सब-इंस्पेक्टर के तौर पर जिलों में तैनात किया गया था। अकादमी के उप महानिरीक्षक प्राणतोष कुमार दास ने बताया कि विभिन्न विषयों में कुल 2300 नंबर की परीक्षा होती है। उत्तीर्ण होने के लिए अभ्यर्थियों को सभी विषयों में कम से कम 50 फीसद अंक लाना अनिवार्य है। कुल 387 अभ्यर्थी फेल हुए हैं, जो भर्ती की संख्या का लगभग 25 फीसद है। इनमें कुछ अनुपस्थित भी थे। निदेशक के मूल्यांकन में 10 अभ्यर्थियों को जीरो अंक भी मिले हैं। परीक्षा पास करने के बाद ही उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। बिहार पुलिस अकादमी से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेनी सब-इंस्पेक्टरों की तैनाती लगभग सभी 38 जिलों में की गई है। पटना में 71, मुजफ्फरपुर में 91, भागलपुर में 70, रोहतास में 49, गया में 37 और औरंगाबाद में 19 ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर सेवा दे रहे हैं। इसी तरह सारण में 79, सिवान में 61, वैशाली में 55, समस्तीपुर में 53, दरभंगा में 48, बेतिया में 46, मधुबनी में 40, मोतिहारी में 44, खगड़िया व पूर्णिया में 37-37, किशनगंज व बक्सर में 36-36, बेगूसराय व कटिहार में 35-35, जमुई में 34, नालंदा में 32, मुंगेर में 27, नौगछिया में 25, बगहा व अरवल में 24-24, नवादा में 22, लखीसराय में 17, शिवहर में 15, शेखपुरा में 13 और जहानाबाद में 11 प्रशिक्षु दरोगा सेवारत हैं।

सप्तमी को सभी पूजा पंडाल में खुल गए पट, भभुआ में दर्शन पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु

भभुआ । शारदीय नवरात्र में मंगलवार को सातवें दिन मां दुर्गा पूजा पंडालों के पट खुल गए हैं। पट खुलते ही मां का दर्शन पूजन करने के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा पूजा समिति की ओर से मां का प्रतिमा रखी गई है। वहां पर पंडाल बनाए गए हैं। उन पंडालों में कोविड के गाइडलाइन व प्रशासन की ओर से निर्धारित किए गए नियमों का पालन करने के साथ ही पट खोल दिया गया है। भभुआ नगर में बनी कई प्रतिमा व पंडाल भी लोगों का मन मोह रहा है। सभी पूजा पांडाल के आसपास प्रशासन ने दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों को भी मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया है। नवरात्र के मौके पर पूजा पंडाल में भक्ति संगीत बजने के कारण माहौल भक्तिमय हो गया है। सप्तमी के मौके पर घरों में भी कालरात्रि की पूजा की गई।

नवरात्र के पहले दिन से ही विभिन्न मंदिरों में लोगों की भीड़ दर्शन पूजन करने के लिए उमड़ रही है। पहले दिन से ही मां मुंडेश्वरी धाम में करीब 50 हजार से एक लाख श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन पूजन कर रहे हैं। बिहार के साथ-साथ उतर प्रदेश के लोग भी पहुंच कर दर्शन पूजन कर रहे हैं। इसके अलावा अधौरा के धरती माता मंदिर, कुलेश्वरी, मां छेरावरी धाम, हरसूब्रह्म धाम पहुंच कर दर्शन कर रहे हैं। पूजा पंडालों में युवा खूब सेल्फी ले रहे हैं।

पंडाल में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे –प्रशासन के निर्देश के बाद दुर्गा पूजा समितियों ने पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगवाया है। अब पूजा समिति व पंडाल के पास में हर एक गतिविधि सीसीटीवी कैमरे की जद में है। अगर कोई गड़बड़ी करता है तो सीसीटीवी से उसकी पहचान कर ली जाएगी। इसके अलावा पुलिस गश्ती व पुलिस बल की मौजूदगी भी है। नगर के दो पंडालों में कोविड का टीकाकरण भी हो रहा है। इससे पूर्व समिति के सभी सदस्यों का टीकाकरण करा दिया गया है। नगर के सब्जी मंडी पूजा पंडाल तथा शिवाजी चौक पर पर बने पंडाल में टीकाकरण किया जा रहा है। शिवा जी चौक पंडाल में केयर इंडिया की टीम टीकाकरण कर रही है। जिसमें केयर इंडिया की प्रखंड मैनेजर नौशीन अंसारी, व केयर इंडिया की कॉर्डिनेटर दीपक कुमार व शाहरूख अली अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विजय रथ लेकर कानपुर से हमीरपुर बढ़ रहे अखिलेश, बोले- यात्रा से प्रदेश में फिर आएगा परिवर्तन

कानपुर। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव 2022 के लिए चुनावी बिगूल कानपुर से फूंक दिया। जाजमऊ गंगा पुल से अखिलेश यादव ने विजय रथ यात्रा की मंगलवार की दोपहर शुरुआत कर दी। नोटबंदी के समय कानपुर देहात के झींझक में जन्मे खंजाची नाथ ने विजय रथ यात्रा को पार्टी का झंडा दिखाकर रवाना कराया। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रथ पर सवार होने के बाद हाथ हिलाते हुए सभी का अभिनंदन किया तो कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब-जब सपा की विजय यात्रा निकली है, तब-तब प्रदेश में परिवर्तन आया है। कहा, रथयात्रा के माध्यम से किसानों, बुजुर्गों का आशीर्वाद लेंगे। उन्होंने कहा कि लखीमपुर में किसानों के साथ कानून को भी कुचला गया है। उनका प्रतिनिधिमंडल लखीमपुर पीड़ित परिवारों से मिलने गया है। उन्होंने कहा कि कानपुर यूपी का औद्योगिक शहर है, यहां पर सरकार ने उद्योगों को ठप कर दिया है। इसलिए यात्रा की शुरुआत कानपुर से की गई है।

उद्योग नगरी कानपुर से विजय रथयात्रा की शुरुआत करने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार दोपहर जाजमऊ गंगा पुल सीमा पर पहुंचे तो सपाइयों ने नारेबाजी करके स्वागत किया। कार्यकर्ताओं में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की एक झलक पाने की होड़ लगी रही। उनका काफिला लखनऊ से उन्नाव से होकर कानपुर जाजमऊ पुल पर पहुंचा तो मिलने के लिए सपाइयों में धक्कामुक्की शुरू हो गई। वहीं हाईवे पर भी जाम की स्थिति बन गई लेकिन पुलिस ने एक लेन से दोनों छोर के वाहनों को निकालना शुरू कराया है। सपा कार्यकर्ता विजय रथ के साथ सेल्फी लेते रहे। रथयात्रा लेकर अखिलेश घाटमपुर होते हुए बुंदेलखंड के जनपदों में भ्रमण करेंगे और जनता के बीच अपनी उपलब्धियों के साथ भाजपा सरकार की खामियां बताएंगे। देर शाम से जाजमऊ गंगा तट पर रथयात्रा की तैयारियों को पूरा कर लिया गया था।

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर जाम- विजय यात्रा को लेकर जाजमऊ गंगा पुल पर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ एकत्र है। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर जाम के कारण यातायात रेंग रहा है। पुलिसकर्मी वाहनों को एक-एक लेन से गुजारकर यातायात सुचारु करने की कोशिश कर रहे हैं। कार्यकर्ता अखिलेश के स्वागत के लिए ढोल और पार्टी के झंडे लेकर भीड़ लगाए रहे।

कार्यकर्ताओं में नोकझोंक- बस के पास पहुंचने के लिए सपा कार्यकर्ताओ की आपस

में नोकझोंक हो गई इस दौरान कार्यकर्ता बस के पास पहुंचने को लेकर एक दूसरे से धक्का-मुक्की करने लगे इस दौरान वहां मौजूद पार्टी के पदाधिकारियों ने उन्हें समझाकर शांत कराया।

अखिलेश यादव के आने के बाद रथयात्रा यहां से घाटमपुर होते हुए हमीरपुर से बुंदेलखंड में प्रवेश कर जाएगी। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम घाटमपुर और हमीरपुर में बैठक करके तैयारियों की समीक्षा कर चुके हैं। मंगलवार सुबह से कानपुर के जाजमऊ गंगा तट से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की विजय रथयात्रा को लेकर सपाई पहुंचने लगे हैं। यात्रा शुभारंभ स्थल पर सपाइयों की भीड़ एकत्र है, अखिलेश के आते ही यात्रा की शुरुआत होगी। यहां से घाटमपुर होते हुए हमीरपुर पहुंचेंगे। इसके बाद 13 अक्टूबर को हमीरपुर से जालौन होते हुए यात्रा कानपुर देहात पहुंचेगी।

नेयवली पावर प्लांट के पास जनसभा- घाटमपुर में नेयवेली पावर प्लांट के पास रामपुर मोड़ पर जनसभा का आयोजन होगा, जहां सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संबोधित करेंगे। इसके बाद हमीरपुर में पार्टी कार्यालय व कुरारा में जनसभा होगी। झलोखर गांव, मुख्यालय के कालपी चौराहा, अमन शहीद में स्वागत स्थल की तैयारियां की गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम के साथ पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष अनिल सोनकर वारसी, सपा नेता विजय सचान ने सभी जगह का जायला लेकर ब्लाक अध्यक्षों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

कानपुर के नौबस्ता में रुके अखिलेश- सपा मुखिया अखिलेश यादव विजय रथ यात्रा जाजमऊ से लेकर नौबस्ता चौराहा पहुंचे। तभी कार्यकर्ताओं ने रथ को घेर लिया और फूल बरसाने शुरू कर दिए। एक बजकर पांच मिनट पर रथ नौबस्ता चौराहा पहुंचा। रथ पर चढ़ कर जनता व कार्यकर्ताओं का हाथ जोडकर अभिनंदन किया। इस दौरान हाथ के इशारे से इस बार आने को कहा। अखिलेश के लिए सपाइयों ने मंच लगाया था, लेकिन अखिलेश रथ में अंदर बैठ कर आगे निकल गए। इस दौरान 10 मिनट रथ रुका। इसको लेकर सुबह से खड़े सपाई निराश हो गए।

हाईवे पर लगा जाम- नौबस्ता चौराहे पर सपाइयों की भीड़ व वाहन लगने के कारण जाम लग गया। हाईवे पर लगे जाम में लोग फंसे रहे । इस दौरान स्कूली बच्चे उमस से बेहाल रहे।

भाजपा सरकार की खामियां बताएंगे अखिलेश- मालरोड में एक होटल में पत्रकार वार्ता में विजय रथयात्रा के प्रभारी और विधान परिषद सदस्य संजय लाठर ने बताया कि जाजमऊ से विजय रथयात्रा निकाली जाएगी, जो प्रदेश भर में भ्रमण करेगी। इसके जरिए सपा मुखिया प्रदेश सरकारी की खामियों को गिनाएंगे, सपा कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया, सपा ध्वस्त कानून व्यवस्था, महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को मुद्दा बनाएगी। नगर अध्यक्ष डा. इमरान, विधायक अमिताभ बाजपेयी व इरफान सोलंकी, समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीश राजा, लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष रामकरण निर्मल मौजूद रहे।

लखीमपुर खीरी हिंसा: रिमांड पर लेने के बाद आशीष मिश्रा मोनू से क्राइम ब्रांच व एसआइटी ने शुरू की पूछताछ

लखनऊ । लखीमपुर खीरी की हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोगों की मृत्यु के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की रिमांड पुलिस ने ले ली है। सीजेएम लखीमपुर खीरी ने सोमवार को पेशी के बाद केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू की तीन दिन की रिमांड मंजूर की थी।

लखीमपुर खीरी की पुलिस ने रिमांड मिलने के बाद मंगलवार को आशीष मिश्रा को लखीमपुर खीरी जिला जेल से अपनी कस्टडी में लिया है। तीन दिन तक क्राइम ब्रांच के साथ ही शासन से गठित नौ सदस्यीय एसआइटी आशीष मिश्रा से पूछताछ करेगी। पुलिस जिला कारागार से आशीष मिश्रा मोनू को रिमांड पर लेकर पुलिस लाइन में बने क्राइम ब्रांच के दफ्तर में पहुंची है। लखीमपुर खीरी हिंसा कांड के मुख्य आरोपित केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्र को एसआइटी ने रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अदालत की अनुमति के बाद मंगलवार सुबह ठीक सवा दस बजे एसआइटी ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ

आशीष मिश्र को कस्टडी में लेकर जेल से बाहर निकाला और उनको पूछताछ के लिए एक बार फिर क्राइम ब्रांच के दफ्तर में लेकर आई है। जहां एसआइटी प्रभारी डीआइजी उपेंद्र अग्रवाल व उनकी आठ सदस्यीय टीम आशीष से उन सभी सवालों के उत्तर जान रही है जो उन्होंने शनिवार को हुई 12 घंटे की पूछताछ में पुलिस को नहीं दिए।

एसआइटी ये पता करने में जुटी है कि क्या आशीष वारदात के वक्त अपनी थार जीप में मौजूद थे या नहीं। उस काफिले में कुल कितनी गाड़ियां थीं जिससे किसान मारे गए। उस काफिले में कुल कितने पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थे। जो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की अगवानी के लिए रविवार दोपहर बाद बनवीरपुर के लिए निकले थे। वारदात के बाद आशीष व अन्य लोग घटना स्थल से कैसे बच निकले। एसआइटी के सवालों में इस अहम सवाल का भी जवाब तलाशा जाएगा कि क्या लखनऊ के कांट्रेक्टर अंकितदास भी उस काफिले में शामिल था जो डिप्टी सीएम की अगवानी के लिए बनवीरपुर से निकला था। पता ये भी चला है कि ऐसे सभी सवालों के बाद पुलिस आशीष मिश्र को ऐसे कई स्थानों पर ले जाएगी जिसका ताल्लुक वारदात से है। पुलिस आशीष से ऐसे लोगों के बारे में भी पूछताछ करेगी जिसने इस घटना में आशीष की मदद की और घटना से जुड़े सुबूतों को नष्ट किया। फिलहाल एसआइटी की पूछताछ जारी है और पुलिस रिमांड के पहले दिन निर्णायक सुबूतों के मिलने की उम्मीद है।इसी दफ्तर में आशीष मिश्रा मोनू को तलब करने के बाद शनिवार को क्राइम ब्रांच की टीम ने करीब 12 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

बांकेबिहारी की नगरी से शिवपाल का चुनावी शंखनाद, 101 ब्राह्मणों ने दिया आशीर्वाद

आगरा। उत्तर प्रदेश में भाजपा की मौजूदा सरकार के खिलाफ प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने चुनावी शंखनाद कान्हा की नगरी से किया। मंगलवार को प्रसपा प्रमुख ने ठाकुर बांकेबिहारी भगवान का आशीर्वाद लिया और सामाजिक परिवर्तन रथ से प्रदेश की जनता को जागरूक करने निकले।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने प्रदेश की मौजूदा सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ने के लिये कान्हा की नगरी को चुना है। मंगलवार को ठाकुर बांकेबिहारी मन्दिर में पूजा अर्चना के उपरांत श्री यादव सामाजिक परिवर्तन रथ पर सवार होने के लिए निकले। श्री बांकेबिहारी मंदिर के द्वार पर एक सौ एक ब्राह्मणों ने शंखनाद कर शिवपाल यादव को आशीर्वाद दिया। इसके बाद मथुरा मार्ग स्थित सौ शैया अस्पताल के समीप कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करने के लिए शिवपाल निकल गए। यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद रथ में सवार होकर मथुरा होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग से आगरा के लिये रवाना होंगे।

रथयात्रा शुभारंभ से पहले शिवपाल ने सपा के साथ गठबंधन पर कहा, राजनीति में सम्भावनाएं हमेशा बनी रहती हैं। गठबंधन की कोई अंतिम तिथि नही होती। कहा प्रदेश सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सामाजिक परिवर्तन यात्रा शुरू कर रहे हैं। जो पूरे प्रदेश में घूमेगी। कहा, अब समय आ गया है कि इस सरकार को उखाड़ फेंका जाये। कहा कि राजनीति अपार सम्भावनाओं का क्षेत्र है। हमने बांके बिहारी के चरणों में दंडवत करते हुए अपने चुनावी रथ यात्रा का शंखनाद किया है। परिवर्तन यात्रा के नाम से पूरी यूपी में निकाली जा रही है।उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में सभी दरवाजे खुले होते हैं गठबंधन को लेकर के आगे निर्णय लिया जाएगा।

शाम चार बजे यात्रा आएगी आगरा

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) की सामाजिक परिवर्तन रथयात्रा मंगलवार को तीसरे पहर चार बजे आगरा आएगी। रथयात्रा लेकर आ रहे पार्टी अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव का सिकंदरा पर स्वागत होगा। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष गुरुद्वारा गुरु का ताल पर मत्था टेकने जाएंगे।

यहां से रथयात्रा रामबाग, कुबेरपुर, इनर रिंग रोड होते हुए फतेहाबाद रोड स्थित ट्राइडेंट तिराहा पर पहुचेगी और पहले दिन की यात्रा का समापन होगा। बुधवार को माल रोड स्थित होटल अमर तिराहा से रथयात्रा का शुभारंभ होगा। प्रतापपुरा चौराहा, कलक्ट्रेट, सुभाष पार्क, राजामंडी, हरीपर्वत, भगवान टाकीज चोराहा, सुल्तानगंज की पुलिया, बल्केश्वर आदि क्षेत्रों में भ्रमण के बाद वाटर वर्क्स चौराहा पर समापन होगा। आगरा से रथयात्रा टूंडला के लिए रवाना होगी।

एसआइटी ने गोरखपुर में दो और आरोपित पुलसिकर्मियों को दबोचा

गोरखपुर। कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता हत्याकांड के आरोपित दारोगा राहुल दूबे और विजय यादव के गिरफ्तारी की चर्चा तेज हो गई है। जानकारी लेने के लिए मंगलवार की सुबह से रामगढ़ताल थाने, पुलिस आफिस में मीडियाकर्मियों की भीड़ जुट गई। गोरखपुर पुलिस और एसआइटी के अधिकारी किसी भी हत्यारोपित पुलिसकर्मियों के पकड़े जाने से इन्कार कर रहे हैं।

मंगलवार सुबह से ही तेज हुई गिरफ्तारी की चर्चा – मुख्य आरोपित इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह और दारोगा अक्षय मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद चार अन्य आरोपित पुलिसकर्मियों को पकड़ने की कवायद तेज हो गई है। क्राइम ब्रांच, रामगढ़ताल पुलिस के साथ ही एसआइटी कानपुर की टीम गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, लखनऊ के साथ ही आरोपितों के हर संभावित ठिकानों पर पिछले 14 दिन से छापेमारी कर रही है।लेकिन दारोगा राहुल दूबे, विजय यादव, मुख्य आरक्षी कमलेश यादव, आरक्षी प्रशांत पकड़ से दूर हैं। सोमवार की सुबह आरोपितों के सीजेएम कोर्ट में सरेंडर करने की सूचना पर कचहरी पुलिस छावनी में तब्दील कर दी गई थी।

एसपी सिटी की अगुवाई में फोर्स पूरे दिन सीजेएम कोर्ट के आसपास मुस्तैद रही। एक लाख के इनामी हत्यारोपित पुलिसकर्मियों को पहचानने वाले दारोगा व सिपाही कचहरी गेट पर खड़े रहे।चर्चा है कि कोर्ट में सरेंडर करने की कोई संभावना न दिखने पर आरोपितों ने गोरखपुर में तैनात अपने करीबी पुलिसकर्मियों से संपर्क किया। जिनके जरिए गिरफ्तारी को मैनेज करने की प्रक्रिया चल रही है। एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि फरार चल रहे हत्यारोपित पुलिसकर्मियों की तलाश चल रही है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कानपुर के बर्रा निवासी कारोबारी मनीष गुप्ता 27 सितंबर की सुबह आठ बजे गोरखपुर घूमने आए थे। उनके साथ हरियाणा के उनके दोस्त हरबीर और प्रदीप भी थे। तीनों युवक तारामंडल स्थित होटल कृष्णा पैलेस के कमरा नंबर 512 में रुके थे। रामगढ़ताल थाना प्रभारी जगत नारायण सिंह समेत छह पुलिसकर्मी रात करीब साढ़े 12 बजे कमरे की तलाशी लेने पहुंच गए। आधी रात को इस तरह कमरे की तलाशी लेने पर मनीष ने आपत्ति जताई तो पुलिसकर्मियों से उनका विवाद हो गया।आरोप है कि इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह और पुलिस टीम ने पीट-पीटकर मनीष की हत्या कर दी। हालांकि पुलिस वालों का कहना था कि मनीष शराब के नशे में धुत थे और गिरने की वजह से उनकी मौत हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मनीष के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले। मनीष की पत्नी मीनाक्षी की तहरीर पर पुलिस ने छह पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। जिसकी विवेचना कानपुर एसआइटी कर रही है। रविवार को पुलिस ने मुख्य आरोपित जगत नारायण सिंह और दारोगा अक्षय मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेजा था

मुख्यमंत्री आवास के सामने मैनपुरी के युवक ने पीया जहर, सपा नेता पर प्रताड़ित करने का आरोप

लखनऊ । सीएम आवास के बाहर मंगलवार दोपहर मैनपुरी के किसुनी निवासी विमलेश ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालत बिगड़ती देख गौतमपल्ली थाने की पुलिस विमलेश को सिविल लेकर पहुंची। जहां से हालत नाजुक देख उसे ट्रामा रेफर कर दिया गया। पीड़ित ने मैनपुरी पुलिस और प्रशासन पर मामले में कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

सीएम आवास के बाहर मंगलवार दोपहर एक युवक की एकाएक हालत बिगड़ गई। यह देख पुलिस कर्मी उसे सिविल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार किया गया। होश में आने पर युवक ने बताया कि वह मैनपुरी किसुनी का रहने वाला है। क्षेत्र में रहने वाले सपा नेता लालू यादव ने जमीन पर कब्जा कर

लिया है। फर्जी मुकदमे में फंस दिया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे हैं। अपनी समस्या लेकर जिलाधिकारी और कप्तान से भी मिला पर कोई मदद नहीं मिली। कि बार लखनऊ में उच्चाधिकारियों और सीएम से मिलने आया मुलाकात नहीं हो सकी। सपा नेता की प्रताड़ना से त्रस्त होकर आत्महत्या का प्रयास किया। एडीसीपी मध्य राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मैनपुरी पुलिस को सूचना दे दी गई है। विमलेश का लालू यादव से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। उसकी हालत अब ठीक है। मैनपुरी पुलिस और विमलेश के घर वाले भी आ रहे हैं।

कमर में खोंस रखी थी जहरीले पदार्थ की शीशी- एडीसीपी ने बताया कि सीएम आवास में विलमेश प्रार्थनापत्र देकर निकला था। इसके बाद लामार्ट कालेज की बाउंड्रीवाल के पास उसने कमर में खुसी शीशी निकाली। उसे पीने लगा यह देख एक महिला सिपाही दौड़ी उसने हाथ मारकर शीशी गिरा दी। शीशी में कोई रैपर नहीं लगा था। आधी शीशी ही विमलेश पी पाया था। उसे आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। अब हालत सामान्य है।

ग्वालियर में लगेगी अटलजी की भव्य प्रतिमा, जीवन चरित्र के बारे में भी जानेंगे नौनिहाल

कैबिनेट ने दी अटल बिहारी वाजपेयी स्मारक न्यास के गठन की मंजूरी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के ग्वालियर शहर में अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य प्रतिमा लगेगी। इतना ही नहीं प्रदेश के युवा और नौनिहाल राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र विकास के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता के लिए उनका जीवन-चरित्र भी जानेंगे।

कैबिनेट ने मंगलवार को ग्वालियर में स्मारक के निर्माण और संस्कृति विभाग के तहत अटल बिहारी वाजपेयी स्मारक न्यास के गठन को हरी झंडी दे दी है। न्यास पूरी तरह स्वायत्त संस्था होगी। कैबिनेट वर्चुअल हुई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने निवास से इसमें शामिल हुए। निर्णय के तहत स्व. वाजपेयी की भव्य प्रतिमा एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों से उनके जीवन चरित्र का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। प्रतिमा स्थल के आसपास सुव्यवस्थित जन-सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

जिला मार्ग टू लेन किए जाएंगे: कैबिनेट ने मप्र सड़क विकास निगम द्वारा परिचालित एडीबी 6/7 परियोजना के तहत मुख्य जिला मार्गों को इंटरमीडिएट लेन 5.5 मीटर चौड़ाई के स्थान पर टू लेन यानी सात मीटर चौड़ाई करने की अनुमति दे दी है। साथ ही 41 अन्य सड़क परियोजनाओं को एडीबी से अलग कर अन्य योजनाओं में निर्माण की स्वीकृति दी गई। परियोजना में 60 मार्गों के उन्नयन के लिये 6156 करोड़ रूपये की संयुक्त प्रशासकीय स्वीकृति जारी करने का अनुमोदन किया गया।

बेटमा खुर्द में फर्नीचर क्लस्टर में 600 करोड़ का होगा निवेश

कैबिनेट ने इंदौर इंटरनेशनल फर्नीचर क्लस्टर एसोसिएशन इन्दौर को फर्नीचर क्लस्टर विकसित करने के लिये बेटमा खुर्द जिला इंदौर की 190.345 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर विकास की अनुमति दे दी है। क्लस्टर के तहत स्थापित औद्योगिक - व्यवसायिक इकाइयों से विकास शुल्क तथा संधारण शुल्क लिए जाने के अधिकार के साथ प्रस्तावित क्लस्टर को तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। क्लस्टर के पूर्ण रूपेण क्रियान्वित होने पर लगभग 600 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश होगा। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

यह निर्णय भी लिये

- मप्र कौशल विकास परियोजना में ग्लोबल स्किल्स पार्क की स्थापना के लिए 319 पदों के निर्माण और पांच वर्ष के संचालन के लिए 125 करोड़ रुपए की ब्लॉक ग्रांट के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति।
- ग्रीष्मकालीन मूंग को पीडीएस के माध्यम से हितग्राहियों को प्रदाय किया जाएगा।
- कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित उद्योगों के लिए ब्याज विलंब शुल्क से मुक्ति।
- संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, मप्र भारत सरकार के उपक्रम मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड और मप्र राज्य खनिज निगम लिमिटेड के मध्य एमओयू निष्पादन के संबंध में अनुमोदन।
- ग्वालियर एवं दतिया में द ग्वालियर एग्रीकल्चर कंपनी लिमिटेड से संबंधित 8585.45 एकड़ भूमि में से मप्र कृषि जोत उच्चतम सीमा अधिनियम, 1960 के तहत अतिशेष घोषित लगभग 5,200 एकड़ भू-भाग के संबंध में कम्पनी द्वारा न्यायालयों में प्रचलित समस्त प्रकरण वापिस लिए जाएंगे।
- राजस्व विभाग की मंदसौर शहरी क्षेत्र के संजय गांधी वार्ड नंबर-9, पुलिस कॉलोनी के पास स्थित पुरानी जिला पंचायत की भूमि और भवन परिसम्पत्ति के निर्वर्तन के लिये रिजर्व मूल्य 6.68 करोड़ रुपए का कार्योत्तर अनुमोदन।

प्रदेश में लगातार बढ़ रही है बिजली की मांग

सिंगाजी में दो और अमरकंटक में सात दिन का कोयला बचा

- फिलहाल बिजली की उपलब्धता पर असर नहीं
- अधिकतम मांग 11 हजार मेगावाट के तक पहुंची

भोपाल (एजेंसी)। देशव्यापी कोयला संकट के बीच मध्यप्रदेश के लिए राहत की बात है कि भले ही प्रदेश के थर्मल प्लांटों को कम क्षमता से चलाया जा रहा है, लेकिन उसके बाद भी प्रदेश में जरूरत के मुताबिक बिजली उपलब्ध हो रही है। हालांकि इन दिनों प्रदेश के थर्मल प्लांटों में 10 से 15 दिनों तक के लिए कोयले का स्टॉक बना रहता है, लेकिन कोयला संकट के चलते अलग-अलग प्लांटों में दो से सात दिन तक की अवधि के लिए कोयला उपलब्ध है। इस बीच अब पखवाड़े से कोयले की उपलब्धता बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

इधर राज्य सरकार ने दावा किया है कि प्रदेश में फिलहाल न तो कोयला संकट है और न ही बिजली संकट। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के मुताबिक प्रदेश में औसत मांग लगभग 10 हजार मेगावाट है। अधिकतम मांग लगभग 11 हजार मेगावाट है। ग्यारह अक्टूबर को शाम 7.00 बजे अधिकतम मांग 10,853 मेगावाट थी, जिसकी निर्बाध आपूर्ति की गई। तोमर के मुताबिक प्रदेश में विगत 15 दिवस से बिजली की मांग बढ़ रही है। प्रतिदिन 22 करोड़ यूनिट से अधिक बिजली प्रदाय की जा रही है। रेल के साथ अब सड़क मार्ग से भी कोयले की आपूर्ति की कोशिशः कोयले के देशव्यापी संकट को देखते हुए राज्य सरकार कोल इंडिया और केंद्र सरकार के लगातार संपर्क में है। प्रदेश में कोयले की पर्याप्त आपूर्ति के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। कोयले को रेल के माध्यम से परिवहन के साथ ही सड़क मार्ग से परिवहन कर लगभग 16 लाख टन कोयले की अतिरिक्त आपूर्ति के प्रयास भी किए जा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भी इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है। तोमर ने कहा है कि आगामी रबी सीजन और त्यौहारों में बिजली की कमी नहीं आने दी जाएगी।

प्रदेश में कोयले की 11 अक्टूबर की स्थिति मीट्रिक टन में

ताप विद्युत गृह	उपलब्धता	खपत	आपूर्ति
अमरकंटक	24522	3239	1984
सतपुड़ा	56127	7890	2453
बिरसिंगपुर	79956	9772	14938
श्री सिंगाजी	72218	19555	15689
कुल योग	232823	40456	35064

प्रतिदिन खपत के लिहाज से अमरकंटक में सबसे अधिक और सिंगाजी में सबसे कम कोयला

प्रदेश के बड़े थर्मल प्लांटों में प्रतिदिन खपत के लिहाज से सबसे अधिक कोयला अमरकंटक थर्मल प्लांट में उपलब्ध है। यहां इतना कोयला उपलब्ध है कि वह अगले सात दिन की जरूरत को पूरा कर सकता है। इस मामले में सिंगाजी थर्मल प्लांट की स्थिति नाजुक बनी हुई है। यहां महज दो दिन की जरूरत के मुताबिक ही कोयले का रिजर्व स्टॉक है। हालांकि राहत की बात है कि प्रदेश को प्रतिदिन लगभग 35 हजार मीट्रिक टन कोयला मिल रहा है, वहीं खपत 40 हजार मीट्रिक टन से अधिक बनी हुई है। यदि प्रतिदिन भंडार में से 5000 मीट्रिक टन भी आपूर्ति के अतिरिक्त उपयोग में लिया जाता है, तो भी यह माह में खपत अनुसार आपूर्ति के लिए पर्याप्त है। यह कुल उपलब्धता, जो 2.328 लाख मीट्रिक टन है,के समक्ष नगण्य है।

एक माह से बनी हुई है यह स्थिति

कोयले की उपलब्धता एवं आपूर्ति की यह स्थिति लगभग एक माह से इसी स्तर के आसपास है। इस उपलब्धता एवं आपूर्ति से माह सितम्बर एवं इस माह अब तक बिना किसी घोषित-अघोषित कटौती के विद्युत आपूर्ति की गई है। इधर कोल कंपनियों पर आपूर्ति का दबाव बढ़ने के बाद अलग अगले पखवाड़े से कोयले की उपलब्धता की स्थिति में सुधार की संभावना जताई जा रही है।

यूपीएससी की परीक्षा में पहली बार प्रदेश से 38 विद्यार्थी चयनित

मुख्यमंत्री आज करेंगे सम्मानित

भोपाल (एजेंसी)। मप्र से प्रतिवर्ष औसत रूप से 15 से 20 विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चुने जाते हैं। प्रदेश में पहली बार संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 38 विद्यार्थी चयनित हुए हैं। यह प्रदेश के लिए गौरव पूर्ण उपलब्धि है। चयनित विद्यार्थियों का सम्मान होने से अन्य विद्यार्थी भी इस तरह की सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा ग्रहण करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात मंगलवार को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित विद्यार्थियों के सम्मान समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कही। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक में 13 अक्टूबर को अपरान्ह तीन बजे मिंटो हाल मुख्य सभाकक्ष में हो रहे कार्यक्रम सफलता के मंत्र की तैयारियों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान समारोह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरक होगा।

लाखों विद्यार्थी जुड़ेंगे कार्यक्रम से: सफलता के मंत्र कार्यक्रम से प्रदेश के लाखों विद्यार्थी जुड़ेंगे। कक्षा 11वीं और 12वीं के कुछ विद्यार्थी भी मिंटो हाल के कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे और अन्य माध्यमों से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। विद्यार्थियों के लिए यह कार्यक्रम काफी उपयोगी रहेगा। यूपीएससी में चयनित छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए परिश्रम और प्राप्त सफलता की कहानी भी सुनाई जाएगी। सभी सफल विद्यार्थी से मुख्यमंत्री संवाद करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अन्य विद्यार्थियों को संबोधन भी देंगे।

चयनित विद्यार्थी होंगे मंच पर

सफलता के मंत्र कार्यक्रम में यूपीएससी में चयनित विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री चौहान ने सम्मान पूर्वक आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। यूपीएससी में चयनित हुए बच्चे भी मंच पर ससम्मान बैठेंगे। हाल ही में देश की महिला हॉकी टीम के सम्मान में हुए कार्यक्रम में भी सभी महिला खिलाड़ी मंच पर आसीन थीं। इसी तर्ज पर यूपीएससी के चयनित विद्यार्थी मंच पर उपस्थित होंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों को आज अंतिम रूप दिया गया। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग में इस वर्ष चयनित अधिकांश विद्यार्थी साधारण परिवार के सदस्य हैं। इन सभी ने नियमित अध्ययन और पाठ्यक्रम को केंद्र में रखकर परीक्षाओं की तैयारी की।

दूसरा डोज भी सभी पात्रों को लगना सुनिश्चित हो

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में कोरोना वैक्सीन के पहले डोज की लगभग सेचुरेशन की स्थिति आ चुकी है। पहला डोज लगवा चुके और द्वितीय डोज के लिए पात्र 71 प्रतिशत को वैक्सीन लगाई गई है। वर्तमान में 68 लाख 91 हजार पात्र नागरिकों को द्वितीय डोज लगाया जाना है।

दूसरे डोज के लिए पात्रता हासिल करने वालों की संख्या के दिन-प्रतिदिन बढ़ने के चलते द्वितीय डोज के लिए पात्र शत-प्रतिशत नागरिकों के टीकाकरण की कार्य-योजना बनाने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

कार्ययोजना बनाने के दिए अधिकारियों को निर्देश

एनएचएम संचालक सुश्री प्रियंका दास ने 14 अक्टूबर तक कार्य-योजना बनाकर 18 अक्टूबर, 2021 से कार्य-योजना को क्रियान्वित करने के लिए क्षेत्रीय संचालकों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला टीकाकरण अधिकारियों को लक्ष्य पूर्ति के लिए कार्य-योजना बनाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मिशन संचालक सुश्री दास ने अधिकारियों को दिये निर्देश में कहा है कि कोविड-19 टीकाकरण के लिये दूसरी डोज के लिए ड्यू और ओवरड्यू नागरिकों की सूची टीकाकरण केंद्रवार और विकासखंडवार प्रचलित कोविन प्रणाली पर उपलब्ध है।

'अनुभूति' कार्यक्रम में प्रदेश के तीन लाख से ज्यादा विद्यार्थी होंगे शामिल

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के वन मंत्री विजय शाह ने कहा है कि ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 'अनुभूति' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 3 लाख 20 हजार स्कूली विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा।

श्री शाह ने बताया कि पहली बार अशासकीय विद्यालयों के दो लाख विद्यार्थियो को 'न लाभ-न हानि' के आधार पर शुल्क प्राप्त कर अनुभूति शिविरों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवदेनशीलता विकसित कर उन्हें इसके संरक्षण के लिए जागरूक किया जाएगा। पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। शासकीय विद्यालयों के लिए यह शिविर माह दिसम्बर 2021 से प्रारंभ होकर मार्च 2022 तक आयोजित होंगे। प्रत्येक शिविर में 30 से 40 विद्यार्थियों को शामिल होंगे। इसी तरह अशासकीय विद्यालयों के लिए साल भर शिविर आयोजित होंगे। जिला कलेक्टर, विद्यालय के प्राचार्य और वन मंडलाधिकारी द्वारा इनकी तिथि तय की जाएगी। ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सीईओ सत्यानंद ने बताया कि वर्ष 2016 से 2020 तक की अवधि के दौरान क्षेत्रीय वन परिक्षेत्रों में 2720 शिविरों के जरिए 8999 विद्यालयों के साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों को 'अनुभूति' कार्यक्रम से जोड़ा जा चुका है।

शिवराज जी आप चिंतित जनता को सच्चाई बताएं : कमलनाथ

बिजली संकट का मामला

भोपाल (एजेंसी)। बिजली एवं कोयले को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में किसी प्रकार का कोई संकट न होने की बात को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने झूठ बताया है।

नाथ ने ट्वीट करते हुए कहा है कि शिवराज जी, मुझे उम्मीद थी कि कोयला संकट, बिजली संकट पर आप मेरे पूछे सवालों के जवाब जरूर देंगे लेकिन आज भी आपने उनका जवाब तो नहीं दिया उल्टा आपने झूठ परोसते हुए कहा कि प्रदेश में कोयले का, बिजली का कोई संकट नहीं है। उन्होंने कहा कि शिवराज जी आप प्रदेश के मुखिया होकर जिम्मेदार पद पर हैं, आपको तो प्रदेश की वास्तविक स्थिति का पता होना चाहिए। आज प्रदेश के ताप विद्युत संयंत्रों में कितने कोयला का स्टॉक होना चाहिए, कितना वर्तमान में उपलब्ध है, यह कितने दिन चलेगा, इन्हें कितने कोयले की वर्तमान में आवश्यकता है, कुल कितना भुगतान बाकी है, इन संयंत्रों में कोयले की कमी के कारण कितनी इकाइयां बंद पड़ी हैं, कोयले की कमी से उत्पादन कितना प्रभावित हो रहा है, इनकी क्षमता कितनी है और वर्तमान में उत्पादन कितना हो रहा है, प्रदेश में वर्तमान में कुल कितनी बिजली की मांग है और वर्तमान में कुल कितना उत्पादन हो रहा है और कहां-कहां से किस दर पर बिजली ली जा रही है, यह सच तो आपको पता ही होना चाहिए और आपको यह सच्चाई चिंतित जनता को बताना भी चाहिए।

कमलनाथ ने कहा कि उसके बावजूद भी आप यह झूठ बोल रहे हैं कि प्रदेश में कोयले और बिजली का कोई संकट नहीं है तो यह प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनता के साथ मजाक व धोखा है।

जनता की परेशानी को राजनीति का अवसर मानते हैं कमलनाथ

शिवराज सिंह ने साधा निशाना

भोपाल (एजेंसी)। कमलनाथ को जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, प्रदेश में जब भी कोई संकट आता है, जनता परेशान होती है तो उन्हें आनंद आता है। वो करते कुछ नहीं बैठे-बैठे केवल ट्वीट फटकारते रहते हैं। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते हुए कही। इस दौरान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा साथ थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोई संकट नहीं आने देंगे, हम समस्याओं के समाधान में लगे हैं। कमलनाथ का काम है, जहां कोई घटना हो जाए और मानो मौका मिल गया। जब प्रदेश में कोई संकट आता है, प्राकृतिक आपदा या बाढ़ आ जाए तो वे बहुत खुश होते हैं और उनकी दृष्टि ऐसी ही है कि कहीं कुछ गड़बड़ मिल जाए, उन्हें लगता है कि राजनीति का अवसर मिल गया। उन्होंने कहा कि कहीं पानी या अन्य कारणों से कोयले की खदान पूरी क्षमता से काम नही करती और प्रदेश में कहीं संकट दिखता है, तो कमलनाथ खुश हो जाते हैं। जब जनता परेशान होती है तो उन्हें खूब आनंद आता है। वो और कुछ नही करते बैठे-बैठे केवल ट्वीट फटकारते रहते है।

उनका जनता कि समस्याओं से कोई लेना देना ही नही रहा, वो केवल ट्वीट की राजनीति करते हैं और जनता इस राजनीति को समझती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्याएं आती हैं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का परम् कर्त्तव्य है समस्याओं का समाधान करने का, मध्यप्रदेश में भी हम समस्याओं का समाधान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

आरती में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष

मंगलवार को भोपाल में विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम विधानसभा परिसर स्थित मां अम्बे भवानी मंदिर में आरती कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे। आरती उपरांत रामनारायण आचार्य, घनश्याम सिंह, नीरज उरमलिया द्वारा अन्य कर्मचारी साथियों द्वारा प्रसाद वितरण किया गया।

भाजपा प्रदेश भर में मनाएगी वाल्मीकी जयंती

भोपाल। भाजपा पूरे मध्यप्रदेश में आदिकवि महर्षि वाल्मीकी की जयंती के कार्यक्रम आयोजित करेगी। आगामी 20 अक्टूबर को इस अवसर पर भाजपा पूरे प्रदेश में विविध कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसके साथ ही भाजपा के कार्यक्रम विजय संकल्प ध्वज के अंतर्गत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सतना जिले के रैगांव स्थित सिमरवाड़ा में विजय संकल्प ध्वज फहराएंगे। वहीं प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा पृथ्वीपुर में विजय संकल्प ध्वज फहराएंगे। यह निर्णय मंगलवार को आयोजित भाजपा चुनाव प्रबंध समिति की बैठक में लिए गए। बैठक की अध्यक्षता भाजपा चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक भूपेंद्र सिंह ने की। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि बैठक में महर्षि वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रमों को अंतिम रूप प्रदान किया गया। श्री सिंह ने कहा कि श्री रामायण के रचयिता वाल्मीकि जी सभी की आस्था के प्रतीक पुंज हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में 15 अक्टूबर को मनाए जाने वाले विजय संकल्प ध्वज दिवस की रूपरेखा भी तय कर ली गई है।

कांग्रेस में गुटबाजी के चलते नेता कर रहे पलायन : शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस के नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ प्रदेश की जनता को बताएं कि अगस्ता घोटाले में उनकी और उनके पुत्र की क्या भूमिका है। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कही।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है, जिसके चलते, कांग्रेस के नेता भी पलायन कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल और नटवर सिंह कहते हैं कि कांग्रेस में समझ नहीं आ रहा, निर्णय कहां से हो रहे हैं। प्रदेश में भी कांग्रेस की ऐसी ही हालत है, कांग्रेस के नेता एनपी प्रजापति को स्टार प्रचारक सूची से हटाकर अपमानित किया, वहीं विवेक तन्खा कहते हैं कि मुझे स्टार प्रचारक की सूची में लाने की जरूरत नहीं है। दूसरी ओर अरुण यादव कहते हैं कि फसल हम बोते हैं, काट कोई और ले जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कोई दल नहीं, एक परिवार द्वारा खड़ा किया गया समूह है, जो अब टूट रहा है।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रत्येक बूथ पर जीतेंगे उपचुनाव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि खंडवा लोकसभा उपचुनाव में प्रचार के दौरान उन्हें जनता में अपार समर्थन देखने को मिला। हमारी सरकार के काम जनप्रतिनिधियों के व्यवहार और गरीब कल्याण की योजनाओं के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के साथ जनता मजबूती के साथ खड़ी है। खंडवा लोकसभा और तीन विधानसभाओं के उपचुनाव में पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इस उपचुनाव को हम आदर्श उपचुनाव बनाएंगे और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर प्रत्येक बूथ, मंडल पर ऐतिहासिक मतों से हमारी विजय होगी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की राज्य स्तरीय उत्सव की तैयारियों की समीक्षा

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में वर्चुअल जुड़ेंगी 40 लाख बेटियां

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बेटियों को सशक्त बनाने के लिए भरपूर प्रयास किए जाना जरूरी हैं। बेटियों को केवल पूजना ही नहीं बल्कि उन्हें बचाना और सबकी लाड़ली बनाना हमारी जिम्मेदारी है। बेटियों की शिक्षा और उनकी समृद्धि के लिए कोई भी कमी नहीं रहने दी जाए। भोपाल में 14 अक्टूबर को राज्य स्तरीय लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन व्यवस्थित रूप से हो।

लगभग 40 लाख लाड़ली लक्ष्मी और बेटियों को वर्चुअली माध्यम से जोड़ने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री चौहान मंगलवार को सीएम हाउस पर मिंटो हाल में होने वाले राज्य स्तरीय लाड़ली लक्ष्मी उत्सव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बेटियों की समृद्धि और उन्हें सशक्त बनाने के लिए आयोजित इस उत्सव में प्रत्येक आंगनबाड़ी एवं पंचायत भवनों में वर्चुअल माध्यम से बालिकाओं को जोड़ा जाए। उत्सव में प्रदेश की 21 हजार 550 लाड़लियों को पांच करोड़ 99 लाख रुपए की छात्रवृत्ति का ऑनलाइन अंतरण किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रत्येक गांव, आंगनबाड़ी केंद्र, समस्त परियोजनाओं, जनपदों, नगरपालिका, जिला मुख्यालय

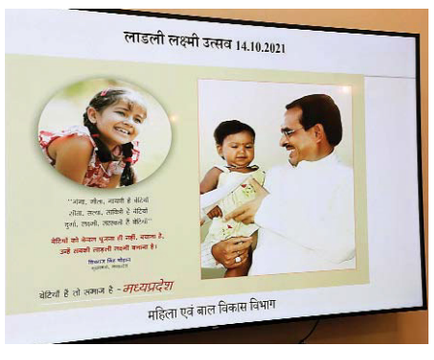

पर टीवी, कंप्यूटर, लेपटाप, मोबाइल एवं दूरदर्शन से उत्सव का प्रसारण सुनिश्चित किया जाए। सभी जन-प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, शौर्या दल, स्व-सहायता समूह एवं मातृ सहयोगिनी के सदस्यों को इस प्रसारण के लिंक भेजकर लाड़लियों और उनकी माताओं को उत्सव से जुड़ने का संदेश दिया जाए। चौहान ने उत्सव के पोर्टल पर फोटो अपलोड करने और फीड बेक दर्ज कराने तथा सभी लाड़ली लक्ष्मियों से सुझाव प्राप्त किए जाने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

योजना 2.0 को और बेहतर बनाया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 को और अधिक बेहतर बनाए जाने के के लिए जनता से सुझाव लिए जाएं। साल में एक दिन तय कर लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 को बेहतर बनाने के लिए सभी लाड़लियों के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक और व्यवसायिक पाठ्यक्रम में कम से कम दो वर्ष की पढ़ाई पूरी करने पर संबंधित संस्थाओं में प्रवेश पर 20 हजार रूपए की राशि देने का सुझाव दिया गया। प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी दिवस का आयोजन उत्सव के रूप में राज्य, जिला, ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाए।

ग्रामों को लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली घोषित करने का सुझाव

समुचित पेरामीटर के आधार पर ग्राम पंचायतों और ग्रामों को लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली घोषित करने, महिला, वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए लाड़ली लक्ष्मियों का पोर्टल तैयार करने का सुझाव रखा गया। पोर्टल के माध्यम से लाड़ली लक्ष्मियों की अभिरूचि की पहचान कर कक्षा 12 वीं पास लाड़ली लक्ष्मियों को प्रशिक्षण देनेए 18 वर्ष से ऊपर की प्रत्येक लाड़ली लक्ष्मी को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस प्रशिक्षण उपरांत जारी करने तथा ऐसी लाड़ली लक्ष्मी, जो व्यवसायिक प्रशिक्षण नहीं लेना चाहतीं, को परफार्मिंग आर्टस और फाईन आर्टस से रूचि अनुसार जोड़े जाने के सुझाव दिए गए।

चेहरे पर मुस्कान लिए फिर नजर आई

शहनाज गिल

पर इस नए वीडियो में फैन्स को दिखी आखों में उदासी

शहनाज गिल के फैन्स के लिए खुशखबरी है वो काम पर लौट आईं हैं। सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद शहनाज गिल के बारे में जो खबरें मिल रही थीं उनसे फैन्स खासे परेशान थे। कई जानने वालों ने मीडिया में बताया था कि सिद्धार्थ के यूं जाने के बाद से शहनाज सदमे में हैं और किसी से बात नहीं कर रहीं हैं। पर अब लगता है उन्होंने खुद को संभाल लिया है। शहनाज जल्द ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'हौसला रख' रख में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ सोनम बाजवा भी हैं।

वीडियो में मुस्कुराती नजर आईं शहनाज

खबर है कि पहले से दिए कमिटमेंट को पूरा करने के लिए शहनाज 7 अक्टूबर को लंदन रवाना हुई थीं। फिलहाल दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर शहनाज का एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। हालांकि कि वीडियो में भी फैन्स को शहनाज के चेहरे पर छुपी उदासी साफ नजर आ गई।

फैन्स ने देख ली आंखों की उदासी

वीडियो में शहनाज ने एंकल लेंथ बूट्स के साथ पोल्का डॉट ड्रेस पहनी हुई है। फैन्स अपनी प्यारी शहनाज को इस तरह हंसता मुस्कुराता देख काफी खुश हो रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा- मेरी शेरनी। एक अन्य ने कहा- हमेशा ऐसे ही खुश रहो। एक फैन कहते हैं- भगवान सबको खुश रखे। तुम्हें और शक्ति मिले। एक यूजर ने लिखा- शहनाज के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए शुक्रिया।

प्रमोशन में भी शामिल हुईं शहनाज गिल

वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शहनाज हौंसला रख के प्रमोश में भी नजर आईं हैं। यहां तक कि उन्होंने मीडिया के सामने दिलजीत दोसांझ की तारीफ भी की है। बताया जा रहा है कि फिल्म के प्रोड्यूसर दिलजीत के लिए शहनाज ने कहा, 'मेकर्स और दिलजीत ने शूटिंग के दौरान मेरा बहुत ध्यान रखा। वे देखते थे कि क्या मैं किसी संदिग्ध व्यक्ति से बात तो नहीं कर रही थी, क्योंकि सभी के साथ एक सा बर्ताव करना मेरा स्वभाव है और मैं लोगों को जज नहीं करती, इसलिए मैं सभी से बात करती हूं।'

कास्टिंग काउच से बचने के लिए मदालसा शर्मा अपनाती हैं क्या ट्रिक, मिथुन की बहू न किया खुलासा

मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। वह अनुपमा सीरियल से घर-घर में पॉप्युलर हो चुकी हैं। मदालसा ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने कास्टिंग काउच अनुभव पर बात की। उन्होंने बताया कि वह ऐसा नहीं कि इस तरह की घटनाओं से वह प्रभावित नहीं होतीं मगर ऐसी सिचुएशन में क्या होता है, ये आपकी मर्जी पर निर्भर करता है।

मदालसा शर्मा मिथुन के बेटे महाअक्षय चक्रवर्ती की वाइफ हैं। वह रुपाली गांगुली के साथ टीवी सीरियल अनुपमा में अहम भूमिका निभा रही हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में लोगों के फायदा उठाने पर बात की। Etimes की रिपोर्ट के मुताबिक, मदालसा ने कहा, आपकी मर्जी आपसे कोई नहीं छीन सकता। लोग आपको प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं लेकिन प्रभावित हो जाना बिलकुल अलग चीज है।

उनसे जब पूछा गया कि क्या कभी उनका गलत फायदा उठाने की कोशिश की है? इस पर मदालसा ने बताया, लड़की होने के नाते या आज के वक्त में लड़का भी, दोनों का ही किसी भी प्रोफेशन में होना खतरनाक है। चाहे ऐक्ट्रेस हो या कारपोरेट फर्म , जहां भी आप जाएंगे महिलाओं के लिए पुरुष आसपास मंडराने लगते हैं। कभी-कभी ऐसे लोग भी मिलते हैं जिन्हें आप एक व्यक्ति, ऐक्टर या एम्प्लॉई के तौर पर उतना नहीं देना चाहते जितनी वे इच्छा रखते हैं। ये आपकी मर्जी है। अच्छी और बुरी चीजें साथ-साथ चलती हैं लेकिन आखिर में आपकी मर्जी आपसे कोई नहीं छीन सकता।

मदालसा ने अपना अनुभव बताया, पर्सनली अगर मुझे कभी किसी की मौजूदगी में असहज महसूस होता है तो मैं बस उठती हूं दरवाजे से बाहर चली जाती हूं। कोई मुझे रोकने वाला नहीं और न ही दरवाजा बंद करके जाने से रोक सकता है। इसलिए यह हमेशा मेरी पर्सनल चॉइस रहती है।

निया शर्मा ने फिर पार की बोल्डनेस की सारी हदें, तस्वीरें वायरल होते ही यूजर्स कर रहे हैं भद्दे कमेंट्स

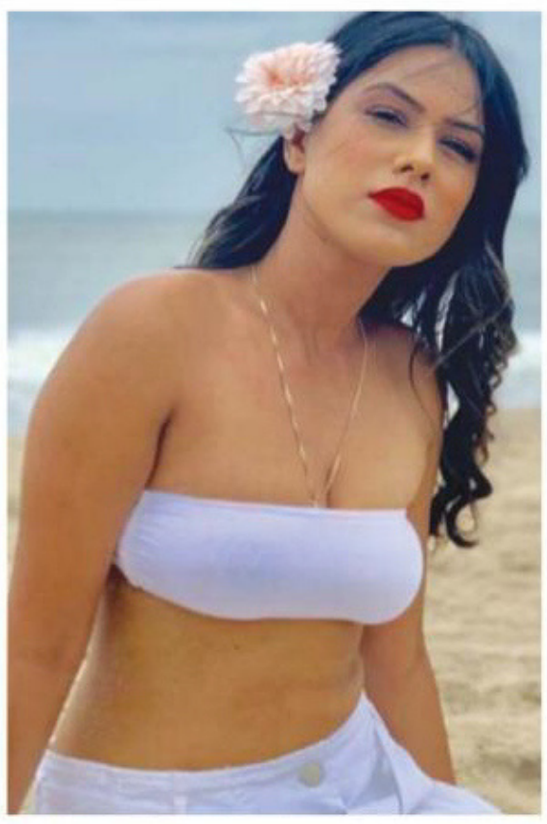

नागिन फेम निया शर्मा टीवी की उन एट्रेसेस में शुमार हैं जो न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। निया आए दिन अपने हॉट ड्रेसेस के चलते सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। निया को अक्सर ही अपनी ग्लैमरस और सीज़लिंग तस्वीरें पोस्ट कर फैंस के बीच छाई रहती हैं। हालांकि कई बार उन्हें इसकी वजह से ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है। इसी बीच निया ने फिर से अपनी बोल्ड तस्वीर शेयर की कर इंटरनेट पर आग लगा दी है। यहां देखें निया की तस्वीरें...

निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं जो बेहद ही बोल्ड हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि निया बेड पर बैठकर पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं फोटोशूट के दौरान निया ने ग्रे कलर का बैकलेस वनपीस ड्रेस पहना है जो उनपर काफी सूट कर रहा है। इस ड्रेस के साथ निया ने अपने बालों को स्टाइल देने के लिए बन बनाया हुआ है। वहीं उनका आई मेकअप उनके लुक को और भी कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। इस तस्वीर ने इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा दिया है।

जहां एक ओर फैंस निया शर्मा की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरहफ कई यूजर्स को उनकी ये बोल्ड ड्रेस पसंद नहीं आ रही है। इसके चलते वह निया को ट्रोल तो कर रही रहे हैं साथ ही उन्हें सही के कपड़े पहनने की सलाह भी देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते लिखा, निया मैं आपकी बहुत बड़ी फैंन हूं, लेनिक आप बुरे कपड़े मत पहना करो कोई गंदा कमेंट करता है अच्छा नहीं लगता है। वहीं कई ने तो काफी भद्दे कमेंट्स किए हैं। इन तस्वीरों को कुछ ही देर में लाखों व्यूज मिले हैं।

जैकलीन फर्नांडिस

का कातिलाना अंदाज देख फैन हुए बॉलीवुड सेलेब्स, कमेंट कर कही ये बात

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस अपने हॉट एंड बोल्ड लुक के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी आगामी फिल्मों से जुड़े अपडेट शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बेहद ग्लैमरस दिख रही हैं।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस फायर के पैटर्न वाले को-ऑर्ड सेट के साथ ब्लैक कलर का ब्रालेट में दिख रही हैं। उन्होंने अपनी इस आकर्षित ड्रेस के साथ ब्लैक कलर के हाई हील लेदर बूट्स भी पहने हुए हैं। अभिनेत्री की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फोटोज को साढ़े आठ लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। साथ ही बॉलीवुड कलाकार कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनके इस लुक की तारीफ कर रहे हैं।

इससे पहले उन्होंने गांधी जयंती के मौके पर मुंबई के बीचों पर अपने फाउंडेशन के साथ मिलकर सफाई अभियान का आयोजन किया था। जिसमें उन्होंने अपनी टीम और लोगों के साथ मिलकर समंदर किनारे साफ-सफाई की थी। फाउंडेशन द्वारा चलाएं सफाई अभियान की तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इन फोटोज में अभिनेत्री कोविड- 19 प्रोटोकॉल्स का पालन करते हुए सफाई करती दिख रही हैं।

बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही रोहित शेट्टी के द्वारा निर्देशित फिल्म 'सर्कस' में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ अहम किरदार में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वो फिल्म 'अटैक' में अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ दिखाई देगें ।साथ ही अभिषेक शर्मा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राम सेतु' में अमह किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल निभा रहे है। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय कुमार और जैकलीन फर्नांडिस के अलावा अभिनेत्री नुसरत भरुचा भी अहम किरदार निभा रही हैं। हाल में उन्हें अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'भूत पुलिस' में सैफ अली खान, अर्जुन कपूर और यामी गौतम के साथ नजर आईं थीं।

मोर्गन ने गेंदबाजों की तारीफों के पुल बांधे

एजेंसी ■ शारजाह

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान इयोन मोर्गन ने आईपीएल-14 के यूएई चरण में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय गेंदबाजों के आक्रामक रवैए को दिया। सोमवार को एलिमिनेटर में सुनील नारायण ने अपनी पुरानी रहस्यमई गेंद की झलक दिखाई और इसके बाद तीन छक्के लगाकर कोलकाता नाइट राइडर्स की चार विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान के रूप में आईपीएल खिताब जीतने का विराट कोहली का सपना तोड़ दिया। मोर्गन ने कहा, मुझे लगता है कि टूर्नामेंट के पहले चरण में, हम (मुख्य कोच ब्रैंडन) मैकुलम के सकारात्मक क्रिकेट, आक्रामक क्रिकेट खेलने का प्रयास करने के मंत्र को लागू करने की कोशिश कर रहे थे, क्रिकेट का वह ब्रांड जिसे देखना हमारे प्रशंसकों को पसंद है और साथ ही खिलाड़ी भी इसका लुत्फ उठाते हैं। उन्होंने कहा, पहले चरण में हम योजना को अमलीजामा नहीं पहना पाए, बीच में कुछ मैचों में हमने इसकी झलक दिखाई लेकिन पूरे दूसरे चरण के दौरान खिलाड़ियों ने आक्रामक क्रिकेट खेला। पहला चरण भारत में खेला गया था लेकिन जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 के कई मामले आने के कारण इसे निलंबित कर दिया गया। मोर्गन ने कहा, हमारे गेंदबाजों ने हमें रास्ता दिखाया कि गेंद के साथ आक्रामक कैसे हो सकते हैं। उन्होंने दिखाया कि कब विकेट लेने का प्रयास करना है और कब रन रोकने पर ध्यान देना है तथा थोड़ा रक्षात्मक होकर खेलना है और इससे हमारी बल्लेबाजी पर भी असर पड़ा। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कप्तान मोर्गन ने आलराउंडर नारायण की तारीफ की जिन्होंने बेंगलोर के खिलाफ टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज उसने शानदार प्रदर्शन किया। बल्ले और गेंद दोनों से, मैच में उसका काफी प्रभाव रहा। जब वह बल्लेबाजी करने उतरा तो उसने लय बदल दी और पूरी तरह से रुख हमारे पक्ष में कर दिया। नारायण ने 21 रन देकर चार विकेट चटकाने के अलावा 15 गेंद में 26 रन की पारी खेली जिसके लिए उन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। नारायण ने विरोधी कप्तान कोहली और एबी डिविलियर्स को भी पवेलियन भेजा और मोर्गन का मानना है कि वेस्टइंडीज का यह स्पिनर अपने खेल में सुधार पर काम कर रहा है। चोटिल आलराउंडर आंद्रे रसेल की चोट पर अपडेट देते हुए मोर्गन ने कहा, हम प्रतिदिन के आधार पर फैसला कर रहे हैं। आंद्रे की पैर की मांसपेशियों में ग्रेड दो की चोट है और उसकी चोट को दो हफ्ते हुए हैं।

हमारी मेडिकल टीम के साथ वह कड़ी मेहनत कर रहा है, कड़े रिहैबिलिटेशन से गुजर रहा है जिससे कि मैदान पर वापसी कर सके। उन्होंने कहा, अगले मैच से पहले हमारे पास सिर्फ 48 घंटे हैं इसलिए कल और उसके अगले दिन उसका आकलन करते हुए हम फैसला करेंगे। मोर्गन ने कहा कि बांग्लादेश के आलराउंडर शाकिब अल हसन दूसरे क्वालीफायर में चयन के लिए उपलब्ध होंगे।

एक नजर

ब्राजील और अर्जेन्टीना के बीच स्थगित मुकाबले का आयोजन चाहते है कोनमेबोल प्रमुख

आसुनसियोन (पैराग्वे)। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप की फुटबॉल की संचालन संस्था कोनमेबोल के अध्यक्ष एलेजांद्रो डोमिनगुएज चाहते हैं कि ब्राजील और अर्जेन्टीना के बीच विश्व कप क्वालीफायर के स्थगित मुकाबले का आयोजन हो। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने हालांकि अब तक मैच को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। साओ पाउलो में पांच सितंबर को सात मिनट बाद मैच को बीच में रोक दिया गया था जब ब्राजील के स्वास्थ्य अधिकारी कोरोना वायरस पाबंदियों का पालन नहीं करने के लिए अर्जेन्टीना के इंग्लैंड में खेलने वाले चार खिलाड़ियों को हटाने के लिए मैदान पर उतर आए थे। इन खिलाड़ियों को पृथकवास में होना चाहिए था। डोमिनगुएज ने रेडियो स्टेशन 970 एएम को दिए साक्षात्कार में सोमवार को कहा, हमारा मानना है कि मुकाबलों का फैसला मैदान पर होना चाहिए। उन्होंने हालांकि कहा कि क्वालीफायर के भविष्य का फैसला उनके संगठन को नहीं करना है।

शीर्ष वरीय प्लिसकोवा इंडियन वेल्स में उलटफेर का शिकार

इंडियन वेल्स। शीर्ष वरीय कैरोलिना प्लिसकोवा बीएनपी पेरिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बीट्रिज हेदाद माइया के खिलाफ सीधे सेटों में हार के साथ उलटफेर का शिकार होकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। लकी लूजर के रूप में मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाली बीट्रिज ने 6-3 7-5 से जीत दर्ज की। बीट्रिज को क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में हार झेलनी पड़ी थी लेकिन 29वीं वरीय नादिया पोद्रोस्का के जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट से हटने के बाद उन्होंने मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। बीट्रिज को पहले दौर में पोद्रोस्का की बाई का फायदा मिला और उन्होंने दूसरे दौर में मायिर शेरिफ को हराया। दुनिया की 115वें नंबर की ब्राजील की इस खिलाड़ी ने पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के राउंड आफ 16 में जगह बनाई है।

संक्षिप्त खबर

नारायण के हरफनमौला खेल से केकेआर ने तोड़ा कोहली का आईपीएल जीतने का सपना

एजेंसी ■ शारजाह

चार विकेट लेने के बाद 15 गेंद में 26 रन की आक्रामक पारी खेलने वाले सुनील नारायण के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स ने सोमवार को आईपीएल एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को चार विकेट से हराकर कप्तान विराट कोहली का खिताब जीतने का सपना तोड़ दिया। केकेआर ने पहले आरसीबी को सात विकेट पर 138 रन पर रोक दिया। इसके बाद दो गेंद और चार विकेट बाकी रहते जीत दर्ज की। अब उसका सामना दूसरे क्वालीफायर में दिल्ली कैपिटल्स से बुधवार को होगा जिसे पहले क्वालीफायर में चेन्नई सुपर किंग्स ने हराया था। क्वालीफायर जीतने वाली टीम शुक्रवार को फाइनल में चेन्नई से खेलेगी। इस सत्र के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ रहे कोहली की टीम ने पूरे सत्र में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद हार के साथ विदा ली। केकेआर के लिए शुभमन गिल ने 18 गेंद में 29 रन बनाए जबकि वेंकटेश अय्यर ने 30 गेंद में 26 रन का योगदान दिया। नारायण ने बारहवें ओवर में डैन क्रिस्टियन को तीन छक्के जड़कर केकेआर की जीत तय कर दी। उन्होंने 15 गेंद में तीन चौकों की मदद से 26 रन बनाए। इससे पहले गेंदबाजी में भी नारायण ने अपने पुराने फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए 21 रन देकर चार विकेट लिए। विराट कोहली, एबी डिविलियर्स और ग्लेन मैक्सवेल के पास उनकी घूमती गेंदों का कोई जवाब नहीं था। वहीं स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 20 रन ही दिए और उनकी गेंदों पर एक भी चौका नहीं लगा। वहीं शाकिब अल हसन ने 24 रन दिए। केकेआर की स्पिन तिकड़ी ने 12 ओवर में सिर्फ 65 रन दिए और उनकी गेंदों पर चार ही चौके लगे। देवदत्त पडिक्कल ने 18 गेंद में 21 रन बनाकर और कप्तान कोहली ने 33 गेंद में 39 रन बनाकर आरसीबी को अच्छी शुरूआत दी। दोनों ने पहले पांच ओवर में 49 रन बनाए। केकेआर के कप्तान इयोन मोर्गन ने शाकिब से गेंदबाजी की शुरूआत कराई। कोहली और पडिक्कल ने शिवम मावी की गेंदों की धुनाई करते हुए पांच चौके जड़े। लॉकी फर्ग्युसन ने पडिक्कल को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। आरसीबी के पिछले लीग मैच के नायक भरत धीमी पिच पर चल नहीं सके और 15 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हो गए। नारायण ने उन्हें पहला शिकार बनाया और कैच डीप में वेंकटेश अय्यर ने लपका। अधिकांश मैचों में अच्छी शुरूआत करने वाले कोहली पावरप्ले के बाद फिर लय से भटक गए। नारायण की फुल लैंग्थ गेंद पर स्लॉग स्वीप खेलने के प्रयास में वह अपना विकेट गंवा बैठे। डिविलियर्स (11) ने आईपीएल के इस सत्र का अपना सबसे खराब शॉट खेला और नारायण की आफ ब्रेक पर आउट हो गए। वहीं फॉर्म में चल रहे ग्लेन मैक्सवेल (15) को नारायण ने अपना अगला शिकार बनाया।

जब तक आईपीएल खेल रहा हूं, आरसीबी के लिए ही खेलूंगा : कोहली

एजेंसी ■ शारजाह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को बतौर कप्तान आईपीएल खिताब दिलाने का उनका सपना भले ही टूट गया हो लेकिन विराट कोहली का कहना है कि वह जब तक इस टूर्नामेंट में खेलेंगे, इसी टीम के साथ जुड़े रहेंगे। आरसीबी को एलिमिनेटर मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सोमवार को चार विकेट से हरा दिया। कोहली इस सत्र के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं। उन्होंने मैच के बाद कहा , मै ने

टीम में ऐसा कल्चर तैयार करने की कोशिश की है जिसमें युवा आकर आक्रामक खेल दिखा सकें। मैने भारतीय टीम के लिए भी यही करने की कोशिश की है। मैं इतना ही कहूंगा कि मैने अपना 120 प्रतिशत टीम को दिया और बतौर खिलाड़ी इसके बाद भी देता रहूंगा। उन्होंने कहा , अब अगले तीन साल के लिए नए सिरे से टीम बनाने का समय है। मैं आरसीबी के लिए ही खेलूंगा। मेरे लिए वफादारी बहुत मायने रखती है और इस टीम के साथ मेरा जुड़ाव आईपीएल में मेरे आखिरी दिन तक रहेगा। केकेआर के हाथों करीबी हार के बारे में उन्होंने कहा , बीच के ओवरों में उनके स्पिनरों ने दबदबा बनाया और विकेट लेते रहे। हमने शुरूआत अच्छी की लेकिन उसे कायम नहीं रख सके। हमारी खराब बल्लेबाजी से ज्यादा उनकी उम्दा गेंदबाजी का मामला था। कोहली ने कहा , हमने आखिर तक कोशिश की लेकिन बल्लेबाजी में 15 रन पीछे रह गए और गेंदबाजी में कुछ बड़े ओवर से चूक गए। सुनील नारायण ने आज दिखा दिया कि वह आईपीएल में लगातार विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से क्यो हैं। नारायण, शाकिब और वरूण तीनों ने शानदार गेंदबाजी की और हमारे बल्लेबाज खुलकर खेल ही नहीं सके।

▶▶ दिल्ली की टीम टूर्नामेंट की सबसे संतुलित टीमों में से एक है।

दिल्ली के पहले आईपीएल खिताब की राह में नाइट राइडर्स की कड़ी चुनौती

एजेंसी ■ शारजाह

पहले इंडियन प्रीमियर लीग खिताब की तलाश में जुटी दिल्ली कैपिटल्स की टीम को बुधवार को यहां दूसरे क्वालीफायर में अच्छी फॉर्म में चल रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम पहली बड़ी परीक्षा में नाकाम रही थी जब उसे पहले क्वालीफायर में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऋषभ पंत की अगुआई वाली टीम अगर नाइट राइडर्स के खिलाफ शिकस्त झेलती है तो उसका अभियान यहीं खत्म हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि सोमवार को एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को हराने के बाद केकेआर की टीम आत्मविश्वास से भरी है। अगर लय और सही समय पर अपना शीर्ष स्तर का खेल दिखाने को पैमाना मानें तो निश्चित तौर पर केकेआर का पलड़ा भारी नजर आता है। दिल्ली के पास हालांकि बेहतर खिलाड़ी हैं और उसकी टीम में गहराई है। लीग चरण में दिल्ली की टीम 10 जीत से 20 अंक जुटाकर शीर्ष पर रही थी लेकिन उसे पता है कि केकेआर के खिलाफ उसकी राह आसान नहीं होगी। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के कोच के रूप में जुड़ने के बाद से दिल्ली की टीम लगातार मजबूत हुई है। टीम 2019 में तीसरे स्थान पर रही थी जबकि पिछले साल फाइनल में जगह बनाने में सफल रही। टीम इस बार एक कदम और आगे बढ़ते हुए खिताब जीतना चाहेगी। दिल्ली की टीम टूर्नामेंट की सबसे संतुलित टीमों में से एक है।

उसके पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम के अलावा प्रभावी तेज गेंदबाजी आक्रमण है जिसे दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन से काफी सहयोग मिलता है। शिखर धवन, पृथ्वी साव और श्रेयस अय्यर की मौजूदगी में टीम का शीर्ष क्रम काफी मजबूत है। पंत और शिमरोन हेटमायर मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। धवन पिछले सत्र में 618 रन के साथ दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे जबकि मौजूदा सत्र में भी 551 रन बना चुके हैं। उनके सलामी जोड़ीदार पृथ्वी ने भी चेन्नई के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में कागिसो रबादा (2020 के पर्पल कैप विजेता) और दक्षिण अफ्रीका के उनके साथी तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया की जोड़ी शानदार प्रदर्शन कर रही है। तेज गेंदबाज आवेश खान ने भी मौजूदा सत्र में अब तक 23 विकेट चटकाए हैं ।

टीमें इस प्रकार हैं:

दिल्ली कैपिटल्स: ऋषभ पंत (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी साव, रिपल पटेल, शिखर धवन, शिमरोम हेटमयार, श्रेयस अय्यर, स्टीव स्मिथ, अमित मिश्रा, एनरिक नॉर्किया, आवेश खान, बेन ड्वारशुइस, इशांत शर्मा, कागिसो रबादा, कुलवंत खेजरोलिया , लुकमान मेरीवाला, प्रवीण दुबे, टॉम कुरेन, उमेश यादव, अक्षर पटेल, ललित यादव, मार्कस स्टोइनिस, रविचंद्रन अश्विन, सैम बिलिंग्स और विष्णु विनोद।

कोलकाता नाइट राइडर्स: इयोन मोर्गन (कप्तान), दिनेश कार्तिक, गुरकीरत सिंह मान, करूण नायर, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी, शुभमन गिल, हरभजन सिंह, कमलेश नागरकोटी, कुलदीप यादव, लॉकी फर्ग्युसन, पवन नेगी, एम प्रसिद्ध कृष्णा, संदीप वारियर , शिवम दुबे, टिम साउदी, वैभव अरोड़ा, वरूण चक्रवर्ती, आंद्रे रसेल, बेन कटिंग, शाकिब अल हसन, सुनील नारायन, वेंकटेश अय्यर, शेल्डन जैक्सन और टिम सीफर्ट।

समय: मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

जर्मनी ने फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

एजेंसी ■ बर्लिन

जर्मनी सोमवार को यूरोप के ग्रुप जे विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में काफी गल्तियां करने के बावजूद उत्तरी मेसिडोनिया को 4-0 से हराकर 2022 फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाला पहला देश बना। जर्मनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ मैचों में सात जीत हासिल की। टीम को मार्च में डुइसबर्ग में उत्तरी मेसिडोनिया के खिलाफ।-2 से उलटफेर का सामना करना पड़ा था जो उसकी एकमात्र हार रही। जर्मनी ने अपने चारों गोल दूसरे हाफ में दागे। टीम की ओर से टिमो वर्नर (70वें और 73वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि केई हावर्ट्ज (50वें मिनट) और जमाल मुसियाला (83वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। तुर्की ने भी इंजरी टाइम के नौवें मिनट में पेनल्टी पर बुराक यिल्माज के गोल की बदौलत लात्विया को 2-।से हराकर क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखा है। जर्मनी की अंडर 21 टीम के पूर्व कोच स्टीफन कुंट्ज का तुर्की की टीम के कोच के रूप में यह पहला मुकाबला था। रोटरडम में मेम्फिस डेपाय ने दो गोल किए, दो गोल में मदद की लेकिन एक पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए जिससे नीदरलैंड ने जिब्राल्टर को 6-0 से हराकर क्वालीफाई करने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। ग्रुप जी में नीदरलैंड ने नॉर्वे पर दो जबकि तुर्की पर चार अंक की बढ़त बना रखी है। ग्रुप एच में क्रोएशिया ने ड्रॉ और रूस ने जीत के साथ कम से कम प्ले आफ में खेलना तय कर लिया है। ग्रुप ई में वेल्स ने कीफर मूर के गोल की बदौलत एस्टोनिया को।-0 से हराकर बेल्जियम के क्वालीफाई करने के इंतजार को बढ़ा दिया है। वेल्स और चेक गणराज्य के समान अंक हैं जिसने बेलारूस को 2-0 से हराया। चेक गणराज्य ने हालांकि एक मैच अधिक खेला है। बेल्जियम की टीम पांच अंक से आगे है और उसका क्वालीफाई करना लगभग तय है। ग्रुप जी में डेपाय ने बार्सीलोना की ओर से खराब क्लब सत्र को पीछे छोड़ते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उनके नाम पर इस साल नीदरलैंड की ओर से 14 गोल हो गए हैं और उन्होंने राष्ट्रीय टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक 12 गोल के पैट्रिक क्लुवर्ट के रिकॉर्ड को तोड़ा।

नीदरलैंड ने नॉर्वे पर दो अंक की बढ़त बना रखी है जिसने मोंटेनेग्रो को 2-0 से हराया। ग्रुप एच में क्रोएशिया ने मिडफील्डर लुका मोड्रिक के फ्री किक पर दागे गोल की बदौलत स्लोवाकिया को 2-2 से बराबरी पर रोका। रूस पुराने प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया को 2-। से हराकर ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है। विश्व कप में स्वतः क्वालीफाई करने के लिए 2018 विश्व कप के उप विजेता क्रोएशिया को अब अगले महीने रूस को हराना होगा।

4जीडोबाल कप मे नैतिक यादव, आहद अलवी सम्भव अरोडा चमके

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मैच के बेस्ट पर्फोमेरस नैतिक यादवए आहद अलीए सम्भव अरोडारू 4जी डोबाल कप मे एम्प्सीएप्सी। मेपल क्रिकेट कोचिंग बनाम एसण्डी। युथ क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गयाण् एम्प्सीप्सीण् मेपल क्रिकेट कोचिंग ने टॉस जीत कर गेंदबाजी का निर्णय लियाण् एसण्डी। युथ क्रिकेट अकादमी ने पहले बैटिंग करते हुए 308 रन बनाए जिसमे नैतिक यादव ने 102 रनए आहद अलवी ने 57 रनए सम्भव अरोडा ने 51 रनए अतुल्य ने 22ए रनए अम्बरीष झा ने 20 रनए व आदित्य और धीरज ने 16.16 रन का सहयोग किया। एम्प्सीप्सी मेपल क्रिकेट कोचिंग की बोलिंग में मयंक शर्मा ने 1 विकेट लिया, एम्प्सीप्सी मेपल क्रिकेट कोचिंग मात्र 137 रन पर पूरी टीम पवेलियन लौट गई जिसमे द्रोण किशोर ने 64 रन की पारी खेली एसण्डी युथ क्रिकेट अकादमी की बोलिंग में हर्षित, राघव जैस्वालए अम्बरीष झा ने 2.2 विकेट लिए व सम्भव अरोडा ने 1 विकेट ले अपनी टीम को 171 रन से जीत दिलाई, मैच के मैंन ऑफ़ द मैच रहे नैतिक यादव व फाइटर ऑफ़ द मैच रहे सम्भव अरोडा।

राष्ट्रमंडल | **कोर खेलों मे टी20 क्रिकेट और तीन गुणा तीन बास्केटबॉल भी शामिल है।**

राष्ट्रमंडल खेलों में अब सिर्फ एथलेटिक्स और एक्वाटिक्स अनिवार्य

एजेंसी ■ लंदन

टी20 क्रिकेट कोर सूची में शामिल

राष्ट्रमंडल खेलों में 2026 से सिर्फ एथलेटिक्स और एक्वाटिक्स ही दो अनिवार्य खेल होंगे जिससे मेजबान शहरों को कोर सूची में जगह पाने वाले खेलों में से अपनी पसंद के खेलों को शामिल करने की स्वतंत्रता मिलेगी। कोर खेलों में टी20 क्रिकेट और तीन गुणा तीन बास्केटबॉल भी शामिल है। इस खाके को राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) की आम सभा की आनलाइन बैठक में स्वीकृति दी गई। सीजीएफ के बयान के अनुसार, मेजबानी के फायदों को बढ़ाने और खेलों को लागत के लिहाज से अधिक प्रभावी बनाने, नए दर्शकों को जोड़ने के लिए राष्ट्रमंडल खेल 2026-2030 रणनीतिक खाका भविष्य के मेजबानों को नई धारणाओं को लागू करने के लिए आमंत्रित करता है जिसमें सह-मेजबानी और बड़ी संख्या में प्रतिनिधित्व वाली प्रतियोगिताओं का आयोजन शामिल हैं। बयान में कहा गया, अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ मौजूदा सलाह मशविरे के हिस्से के तौर पर संशोधित खेल कार्यक्रम की महत्वाकांक्षा है जो मेजबानों को कोर खेलों की विस्तृत सूची से चयन करने के लिए अधिक लचीलापन देगी। कोर खेलों में टी20 क्रिकेट, बीच वॉलीबॉल और तीन गुणा तीन बास्केटबॉल को शामिल किया गया है जो पहले वैकल्पिक खेल थे। पंद्रह खेलों की कोर सूची में बैडमिंटन, निशानेबाजी, टेबल टेनिस, कुश्ती (फ्रीस्टाइल) और हॉकी भी शामिल है। सीजीएफ ने कहा, इससे मेजबानों को पूरी तरह से नए खेलों को प्रस्तावित करने की स्वीकृति मिलेगी जो उनके देश या संस्कृति से संबंधित है। इससे सांस्कृतिक प्रदर्शन और सामुदायिक जुड़ाव में इजाफा होगा। सीजीएफ ने सिफारिश की है कि खेलों के दौरान लगभग 15 खेलों का आयोजन होगा। इन खेलों के 2026 के मेजबान की तलाश अभी जारी है जबकि 2022 में इन खेलों का आयोजन बर्मिंघम में होगा। बर्मिंघम खेलों से निशानेबाजी को हटाया गया है जबकि टी20 महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है। अन्य स्वीकृत सिफारिशों के अनुसार खाके में कहा गया है कि पैरा खेल कार्यक्रम इन खेलों का अहम हिस्सा बना रहेगा। सीजीएफ ने कहा, भविष्य में संभावित मेजबानों को वैकल्पिक खेल गांव पर विचार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, खिलाड़ियों को नव निर्मित स्थान या एक ही स्थान पर रखने की जरूरत नहीं होगी। सीजीएफ अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने कहा कि प्रतियोगिताओं में नयापन लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम राष्ट्रमंडल में अपनी प्रासंगिकता और प्रतिष्ठा बनाए रखें, हमारे खेलों को अनुकूलित, विकसित और आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। लुईस मार्टिन ने कहा, हमारा अगला कदम हमारे अंतरराष्ट्रीय महासंघ साझेदारों के साथ मिलकर काम करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे खेलों के भविष्य को रेखांकित करने के लिए खाके में योगदान दे सकें।